दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

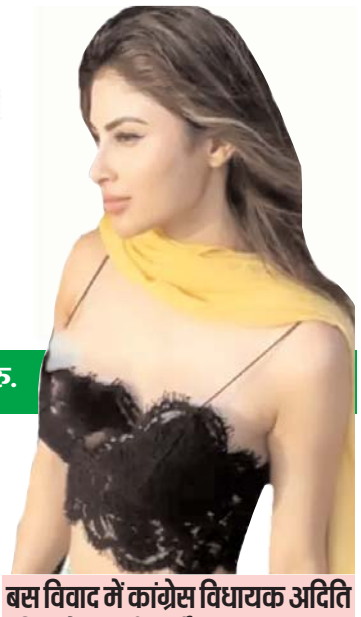

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 133 | ग्वालियर, गुरुवार 21 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

यूपी: ईद की नमाज के लिए मस्जिद खोलने के मामले में हाईकोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईद-उल-फितर पर सामूहिक नमाज व दुआ के लिए प्रदेश के ईदगाहों व मस्जिदों को खोलने और जून महीने में जुमे की नमाज पढ़ने की अनुमति देने का समादेश जारी करने की मांग के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याची अपनी मांग को लेकर सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रत्यावेदन प्रस्तुत करे। यदि कोई आदेश नहीं होता है या प्रत्यावेदन लटकाए रखा जाता है तो वह हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। सरकार को अर्जी दिए बगैर हाईकोर्ट में सीधे याचिका दाखिल नहीं की जा सकती। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति गोविंद माथुर एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की खंडपीठ ने शाहिद अली सिद्दीकी की ओर से मुख्य न्यायाधीश को लिखे पत्र पर कायम जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि समादेश जारी करने के लिए याची को अपनी मांग शासन के समक्ष रखनी चाहिए। कोई आदेश न होने या विपरीत आदेश होने के बाद याचिका दाखिल की जा सकती है। याची ने सरकार के समक्ष अपनी मांग रखे बगैर जनहित याचिका दाखिल कर समादेश जारी करने की मांग की है, जिसपर कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

भूख से लाचार मां की छाती से नहीं उतर रहा दूध, 3 माह की बच्ची पानी के सहारे जिंदा रहने को मजबूर

नई दिल्ली। कोरोना वायरस लॉकडाउन की सबसे अधिक मार गरीब और प्रवासी मजदूरों पर पड़ रही है। काम-धंधे बंद होने कारण एक ओर इनके पास जहां भरपेट खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। वहीं इनके दुधमुंहे बच्चे भी अब पानी पीकर दिन काट रहे हैं। पैदल ही पलायन करने को मजबूर इन मजूदरों को भुखमरी से बचाने के लिए केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भले ही लाख दावें करें, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। सरकारों को इन गरीब प्रवासी मजदूरों को राशन देने के साथ ही इनके दुधमुंहे नौनिहालों के लिए भी दूध का कोई इंतजाम करना चाहिए था, लेकिन इस पर किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया।

पीएम मोदी ने कहा, कैबिनेट के फैसले से अनेक नागरिकों को मिलेगी मदद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिये गए फैसले प्रवासी मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के साथ मत्स्य क्षेत्र को अवसर प्रदान करने एवं आसान कर्ज उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किये गए जिसमें खास तौर पर प्रवासी मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के साथ मत्स्य क्षेत्र को अवसर प्रदान करने एवं आसान कर्ज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इन फैसलों से अनेकों नागरिकों को फायदा होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे मत्स्य क्षेत्र में क्रांति आएगी। उन्होंने कहा, यह नवीनतम प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे के साथ मत्स्य क्षेत्र को मज़बूत करेगी और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करेगी। हमारे मेहनती मछुआरों को अत्यधिक लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को लाभ होगा। उन्होंने कहा, इससे आत्मनिर्भर भारत की तरफ ,प्रयासों को

मजबूती मिलेगी। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के अनुसार, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को औपचारिक रूप देने की योजना पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय से स्व-सहायता समूहों, सहकारी समितियों और सूक्ष्म खाद्य व्यवसायों को काफी बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण-शहरी समुदायों के लिए पर्याप्त आजीविका सुनिश्चित होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (पीएमवीवीवाई) को तीन साल यानि मार्च, 2023 तक के लिए बढ़ा दिया।

बस विवाद में कांग्रेस विधायक अदिति सिंह ने अपनी पार्टी पर उठाए सवाल कहा- ये कैसा क्रूर मजाक

लखनऊ। प्रवासी मजदूरों को लाने में सहयोग की कांग्रेस की पेशकश ने नया सियासी बखेड़ा खड़ा कर दिया है। प्रवासी मजदूरों को लाने के मामले में शुरू हुआ राजनीतिक घमासान अब दूसरा रूप ले चुका है। महामारी के दौर में भाजपा और कांग्रेस की तनातनी आगे क्या रंग लाएगी, यह देखना अभी बाकी है लेकिन कांग्रेस के अपने भी इस घड़ी में उनके खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। प्रवासी मजदूरों की बस द्वारा अवाजाही के प्रकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली सदर की विधायक अदिति सिंह ने ट्वीट करके कांग्रेस पर सवाल उठाए और कहा कि आपदा के वक्त ऐसी निम्न सियासत की क्या जरूरत, एक हजार बसों की सूची भेजी, उसमें भी आधी से ज्यादा बसों का फर्जीवाड़ा, 297 कबाड़ बसें, 98 ऑटो रिक्शा व एबुंलेंस जैसी गाड़ियां, 68 वाहन बिना कागजात के, ये कैसा क्रूर मजाक है, अगर बसें थीं तो राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र में क्यूं नहीं लगाई। अदिति सिंह ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि कोटा में जब यूपी के हजारों बच्चे फंसे थे तब कहां थीं ये तथाकथित बसें, तब कांग्रेस सरकार इन बच्चों को घर तक तो छोड़िए, बार्डर तक ना छोड़ पाई, तब योगी आदित्यनाथ ने रातों-रात बसें लगाकर इन बच्चों को घर पहुंचाया, खुद राजस्थान के सीएम ने भी इसकी तारीफ की थी। ज्ञात हो कि कोरोना संकट में हुई महाबंदी में प्रवासी मजदूरों की घर वापसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और कांग्रेस के बीच सियासी जंग तेज हो गई है।

गुरुग्राम में घुसने से रोकने पर मजदूरों ने पुलिस पर किया पथराव

गुरुग्राम। दिल्ली की तरफ से गुरुग्राम के सलापुर खेड़ा गांव की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे प्रवासी मजदूरों को रोकने पर उन्होंने कथित तौर पर बुधवार सुबह पुलिस पर पथराव कर दिया, जिससे कई पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, ये प्रवासी मजदूर दिल्ली के रहने वाले हैं और गुरुग्राम में काम करते हैं। यह घटना बुधवार को सुबह करीब 8.30 बजे हुई, जब बॉर्डर पर तैनात पुलिस कर्मियों ने प्रवासी श्रमिकों को कथित रूप से शहर की सीमा में प्रवेश करने से रोक दिया था। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पालम विहार और उद्योग विहार थानों के एसएचओ सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर

पहुंच गए। पथराव के बाद से मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर सामने वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि, सलापुर खेड़ा गांव की एक संकरी गली में प्रवासी मजदूरों की एक भारी भीड़ खड़ी है। गली के एक छोर पर कई पुलिस अधिकारी तैनात हैं। वीडियो में कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है, पत्थर मत फेंको। चलो बस बात करते हैं। वहीं, एक पुलिस अधिकारी को पुरुषों के एक समूह को समझाते हुए भी देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद से दिल्ली से सटी गुरुग्राम की सीमाओं को डीएम के आदेश पर सील कर दिया गया था। केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को ही मूवमेंट पास और आईडी कार्ड देखने के बाद जिले की सीमा में प्रवेश करने दिया जा रहा है।

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार का कारनामा

PoK के अस्पतालों को दिए इस्तेमाल किए PPE किट, मास्क पर पान के दाग

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान की खराब स्वास्थ्य व्यवस्था फिर दुनिया के सामने उजागर हो गई है। मजुफ्फराबाद स्थित शेख खलीफा बिन जायद कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल को कोरोना महामारी से लड़ने के लिए ऐसी पीपीई किट दी गई, जिसका पहले से ही इस्तेमाल किया किया जा चुका था। इस बात की किट और मास्क पर लगे पान के दाग कर रहे हैं।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पॉक) के मुख्यमंत्री ने इसे ट्वीट करते हुए लिखा, 'एजेके के अस्पतालों में मिलिट्री से करीब तीन लाख पीपीई किट आए। लेकिन हमारे अस्पतालों को जो किट मिले वे पहले से ही उपयोग किए जा चुके हैं। कुछ मास्कों पर लाल दाग लगे थे। लैब में टेस्ट करने के बाद पता चला कि ये पान के दाग हैं।' आगे उन्होंने लिखा, 'हमारे अस्पताल के प्रोटोकॉल के मुताबिक, सभी पीपीई किट को नष्ट कर दिया गया, जिससे कि संक्रमण नहीं फैले। यह बहुत ही शर्मनाक बात है कि पहले हमें मेड इन चैना लिखी

नकली टेस्टिंग मशीन दी गई और अब एजेके पीपीई किट का डंपिंग ग्राउंड बन गया।' आपको बता दें कि इस अस्पताल की स्थापना 2005 में आए भूकंप के पीड़ितों के इलाज के लिए यूएई के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान ने करवाया था। कोरोना वायरस की बात करें तो पाकिस्तान में इस महामारी का आंकड़ा 45898 के पार चला गया है। बुधवार को यहां 1932 नए मामले सामने आए हैं। पीओके में 133 और गिलगित-बाल्टिस्तान में 556 कोरोना के मामले अभी तक सामने आए हैं। आपको बता दें कि हाल ही में पीओके में डॉक्टरों ने पीपीई किट की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट किया था। अधिकांश स्वास्थ्यकर्मियों ने बिना पीपीई किट अस्पताल जाने से इनकार कर दिया था। आपको बता दें कि लगातार इस बात की खबर आती रहती है कि पाकिस्तान सरकार पीओके और गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों के साथ भेदभाव कर रही है।

एएसआई को 'बाबूजी कहकर फंस गया फर्जी पुलिसकर्मी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कंझावला इलाके में एक फर्जी पुलिसकर्मी जांच के दौरान एक एएसआई को बाबूजी कहकर फंस गया। पुलिस ने आरोपी विरेंद्र कुमार को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रोहिणी डीसीपी पीके मिश्रा ने बताया कि लॉकडाउन के बीच 14 मई की रात को एएसआई कुलदीप और कांस्टेबल मोहन निजामपुर-बमनौली बॉर्डर पर पिकेट लगाकर जांच कर रहे थे, तभी विरेंद्र नाम का एक कार सवार युवक वहां पहुंचा और उसने खुद को दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल बताया। उसने पिकेट पर तैनात टीम से कहा कि उसे जाने दें। पुलिस का रौब झाड़ने के लिए उस फर्जी कॉन्स्टेबल ने एएसआई को अपना आईडी कार्ड भी दिखाया, जिसमें उसकी भर्ती का वर्ष 1991 लिखा हुआ था। उसके अभी तक कॉन्स्टेबल ही रहने के बारे में पूछा गया तो वह एएसआई को बाबूजी कहकर संबोधित करने लगा। इसके बाद उस पर शक न होने के चलते पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। डीसीपी ने बताया कि अमूमन दिल्ली पुलिस में जनाब या साहब कहकर संबोधित करते हैं। उसकी भाषा पर शक होने पर जांच में पता चला कि विरेंद्र महज दसवीं पास है और लॉकडाउन से बचने के लिए ऐसा कर रहा था।

ओडिशा, पश्चिम बंगाल से करीब 4.5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान अम्फान के आने से पहले पश्चिम बंगाल और ओडिशा से करीब 4.5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अत्यधिक भीषण चक्रवाती तूफान अम्फान के बुधवार दोपहर या शाम तक पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तट के बीच पहुंचने की आशंका है। एनडीआरएफ के प्रमुख एस एन प्रधान ने बुधवार को एक वीडियो संदेश में ताजा जानकारी देते हुए बताया कि बचाव दल और प्रशासन अमावस्या होने के कारण चार से छह मीटर ऊंची तूफानी या ज्वारभाटा की लहरों से निपटने के लिए तैयार है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकारों से मिले आंकड़ों के अनुसार ओडिशा से 1.20-1.25 लाख और पश्चिम बंगाल से 3.30 लाख लोगों को चक्रवात के मद्देनजर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रधान ने बताया

कि सुबह तक प्राप्त जमीनी रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा और पश्चिम बंगाल के प्रभावित इलाकों में बरिश और तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं। प्रधान ने बताया कि इस समय 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है और इसकी गति बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्यों को तूफानी और ज्वार भाटा संबंधी लहरों के बारे में सूचित कर दिया गया है और हम उसी के अनुसार तैयारी कर रहे हैं। एनडीआरएफ ने दोनों राज्यों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 41 टीमों को तैनात किया है।

उबर के बाद अब ओला के 1400 कर्मचारियों पर कोरोना की मार

राइडर्स, फाइनेंशियल सर्विसेज और फूड बिजनेस में छंटनी

नई दिल्ली। कैब एग्रीगेटर ओला ने राइडर्स, फाइनेंशियल सर्विसेज और फूड बिजनेस के 1,400 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही। कोरोवायरस वायरस महामारी के कारण पिछले दो महीनों में कंपनी के राजस्व में 95 फीसदी की गिरावट आई है। इसको

लेकर कंपनी के सीईओ भावेश अग्रवाल ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले दो महीनों में सवारी, वित्तीय सेवाओं और खाद्य कारोबार से उसकी आमदनी 95 प्रतिशत घटी है और इसके चलते वह 1,400 कर्मचारियों को निकाल रही है।

कमाई में 95 प्रतिशत की कमी- कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में अग्रवाल ने यह साफ किया कि व्यापार का भविष्य बेहद अस्पष्ट और अनिश्चित है और निश्चित रूप से इस संकट का असर हम पर लंबे समय तक रहेगा। उन्होंने कहा, खासतौर से हमारे उद्योग के लिए वायरस का असर बहुत खराब रहा है। पिछले दो महीनों में हमारी कमाई में 95 प्रतिशत की कमी आई है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस संकट ने हमारे लाखों ड्राइवरों और उनके परिवारों की आजीविका को प्रभावित किया है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने 1,400 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है।

यह छंटनी एकमुश्त होगी-उन्होंने कहा कि यह छंटनी एकमुश्त होगी और सवारी सेवा के लिए इसे इस सप्ताह के अंत तक, ओला फूड और ओला फाइनैंशियल सर्विसेज के लिए अगले सप्ताह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कवायद के बाद कोविड-19 संबंधी कोई और छंटनी नहीं की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि अधिक से अधिक कंपनियों के बड़ी संख्या में कर्मचारी घर से काम करेंगे, हवाई यात्रा सीमित होंगी और छुट्टियों की योजना टाल दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में पक्का है कि संकट का असर लंबे समय तक रहेगा।

अगर हल्की हवा चल रही है तो 6 फुट की दूरी भी नहीं रोक सकती कोरोना संक्रमण

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए दुनियाभर में सामाजिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन एक अध्ययन के अनुसार छह फुट की सामाजिक दूरी बनाने के मौजूदा दिशा निर्देश अपर्याप्त साबित हो सकते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि धीमी गति से चलने वाली हवा में हल्की खांसी से मुंह की लार के छीटें 18 फुट की दूरी तक फैल सकते हैं। साइप्रस में निकोसिया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि प्रति घंटे चार किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली मद्धिम हवा के साथ खांसने पर मुंह की लार के छीटें पांच सेकंड में 18 फुट की दूरी तक फैल सकते हैं। अध्ययन के सह-लेखक दिमित्री द्रिकाकिस ने कहा कि ये सुक्ष्म बूंदें अलग-अलग कद काठी के वयस्कों और बच्चों को प्रभावित करेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर छोटी कद काठी के वयस्क और बच्चे लार की सुक्ष्म बूंदें गिरने के दायरे के भीतर आते हैं तो उन्हें अधिक खतरा है।

देश में कोरोना पीड़ितों की संख्या 106750 अब तक 3303 लोगों की मौत-केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी किए गए आकड़ों के मुताबिक देश भर में कोरोना पीड़ित लोगों का आंकड़ा 106750 हो गया है। इनमें से 61149 लोग अभी भी कोरोना पॉजिटिव हैं, जबकि 42297 लोग इस बीमारी से छुटकारा पा चुके हैं। वहीं अब तक 3303 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

ने बुधवार को बताया है कि अंडमान निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख और मिजोरम पूरी तरह कोरोना से मुक्त राज्य बन गए हैं। उधर बुधवार सुबह तक आंध्र प्रदेश में कोरोना पीड़ितों की संख्या 2532 हो गयी है। इसमें से 1621 को अस्पताल से छुट्टी दी गयी है, जबकि यहां 52 लोगों की मौत हुई है। असम में कोरोना पीड़ितों का आंकड़ा 142 पहुंच गया है। यहां 41 लोग कोरोना से मुक्त हो गये हैं, जबकि 4 लोगों की मौत हुई है। इस बीच बिहार में कोरोना मरीजों की संख्या 1498 हो चुकी है और जबकि 534 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। यहां 9 लोगों की मौत हुई है। चंडीगढ़ में कोरोना मरीजों की संख्या 200 पहुंच गयी है, यहां 57 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और 3 की मौत हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में कोरोना मरीजों की संख्या 101 है और 59 स्वस्थ हो चुके हैं। इस बीच दादर नगर हवेली में अब तक सिर्फ 1 मामला सामने आया है। इधर दिल्ली में कोरोना मरीजों की संख्या 10554 हो गई है, जबकि 4750 लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। दिल्ली में अब तक 168 लोगों की मौत हो चुकी है। गोवा में 46 लोग बुधवार सुबह तक कोरोना वायरस से संक्रमित बताये गये हैं। इनमें से 7 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। गुजरात में यह आंकड़ा 12140 हो गया है, जबकि यहां 5043 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं। जबकि यहां 719 लोगों की यहां मौत हो गयी है। हरियाणा में कोरोना संक्रमितों की संख्या 964 पहुंच चुकी है। इनमें से 627 को इलाज के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। यहां 14 लोगों की मौत हुई है। उधर हिमाचल में यह संख्या 92 है, 27 को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया और तीन की मौत हुई है। जम्मू कश्मीर में पीड़ित लोगों की संख्या बुधवार तक 1317 हो गई थी, जिनमें से 653 को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। यहां अब तक 19 लोगों की मौत हुई है। झारखंड में कोरोना पीड़ित लोगों की संख्या 231 पहुंच चुकी है, इनमें से 127 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यहां तीन की मौत हुई है। कनार्टक में 1,397 मामले सामने आए हैं। 544 को डिस्चार्ज किया गया है और 40 की मौत हुई है।

दिल्ली में कोरोना का नया रिकॉर्ड, एक दिन में मिले सर्वाधिक 534 मामले, कुल आंकड़ा 11 हजार के पार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के अब तक के सबसे अधिक 534 मरीज मिलने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11 हजार के पार पहुंच गई है। साथ ही अब तक 176 लोग इस बीमारी की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। दिल्ली स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राजधानी में कोरोना वायरस के 534 मामले सामने आए हैं, राजधानी में कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 11,088 हो गई है। दिल्ली में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या 5,720 हैं। वहीं कोरोना वायरस से होने वाली मौतों का आंकड़ा 176 पर पहुंच गया है। इसके साथ ही बुधवार को 442 मरीज ठीक भी हुए हैं। एक दिन में 534 मामले मिलना अब का सबसे

बड़ा रिकॉर्ड है।

रोहिणी जेल का सहायक अधीक्षक कोविड-19 से संक्रमित-रोहिणी जेल में सहायक अधीक्षक कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। पांच दिन पहले इस जेल के 15 कैदी संक्रमित पाए गए थे। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि करीब 34 दिन पहले अधिकारी को हाई शुगर और गले में सूजन थी जिसके बाद उन्हें घर पर रहने और आराम करने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि अधिकारी कोरोना वायरस की जांच के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल गए और मंगलवार को जांच रिपोर्ट में वह संक्रमित पाए गए। उन्होंने बताया कि जेल सहायक अधीक्षक तिहाड़ आवासीय परिसर में रहते हैं और उनके परिवार के सदस्यों को क्वारंटाइन कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि उनके आवास के नजदीक रहने वाले जेल कर्मचारियों को 14 दिनों के लिए अपने घरों में ही रहने और खुद को क्वारंटाइन रखने के निर्देश दिए जाएंगे। छह मई को रोहिणी जेल के 15 कैदी और एक प्रमुख वार्डन कोविड-19 से संक्रमित पाए गए थे। इससे कुछ दिनों पहले जेल का 28 वर्षीय कैदी इस बीमारी की चपेट में आया था।

मप्र में कोरोना के 229 नए केस से आंकड़ा 5465 तक पहुंचा

अब तक 258 की मौत: इंदौर में बुरा हाल

भोपाल। मध्यप्रदेश में मंगलवार (19 मई) को कोरोना वायरस संक्रमण के 229 नए मामले सामने आए हैं और इस तरह प्रदेश में कोविड-19 से संक्रमितों का आंकड़ा 5,465 तक पहुंच गया।

वहीं, राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से छह और व्यक्तियों की मौत हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 258 पहुंच गई है। यह जानकारी मध्यप्रदेश के एक अधिकारी ने दी है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से इंदौर में दो और जबलपुर, खंडवा, देवास एवं झाबुआ में एक-एक मरीज की मौत हुई है। अधिकारी ने बताया कि राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 103 मौत अकेले इन्दौर में हुई हैं, जबकि उज्जैन में 48, भोपाल में 39, बुरहानपुर में 11, खंडवा एवं जबलपुर में नौ-नौ, खरगोन एवं देवास में आठ-आठ, मंदसौर में पांच, होशंगाबाद एवं रायसेन में तीन-तीन, धार में दो और नीमच, ग्वालियर, सागर, छिंदवाड़ा, सीहोर, आगर मालवा, सतना, शाजापुर, देवास एवं अशोकनगर एक-एक मरीज की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले 24 घंटों में इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक 72 नए मामले आए हैं, जबकि खंडवा में 21, भोपाल में 16, उज्जैन में 19, बुरहानपुर में 42, खरगोन में 15 एवं ग्वालियर में सात, भिण्ड एवं बैतूल में छह-छह और मुरैना में चार नए मरीज मिले हैं। इसी के साथ इंदौर में अब संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,637 हो गई है, जबकि भोपाल में 1,046, उज्जैन में 362, जबलपुर में 184, खरगोन में 114, धार में 107, रायसेन में 67, खंडवा में 186, बुरहानपुर में 194, मंदसौर में 60, देवास में 63, होशंगाबाद में 37, नीमच में 50, ग्वालियर में 72, बड़वानी में 33, मुरैना में 38, भिण्ड में 25, रतलाम में 28, झाबुआ में 11 और बैतूल में नौ हो गई है। अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश के राजगढ़ एवं सिंगरौली जिलों में पहली बार आज एक-एक कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने के बाद प्रदेश के कुल 52 में से 47 जिलों के लोग अब तक कोविड-19 के लिए संक्रमित पाये गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संपूर्ण राज्य में कुल सक्रिय निषिद्ध क्षेत्र 714 हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2,577 लोग अब भी संक्रमण की चपेट में हैं और इनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। प्रदेश में अब तक कुल 2,630 मरीजों को इलाज के बाद स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। प्रदेश में अब तक कुल 1,16,473 लोगों की कोविड-19 की जांच की जा चुकी है।

साइकिल व्यवसायी को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली, मौत

पटना। बिहार के सीतामढ़ी जिले में बुधवार को दिन दहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने एक साइकिल व्यससायी को गोली मार दी। घायल व्यवसायी की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। अभी तक जो प्रारंभिक सूचना मिली है उसके अनुसार जानकारी नगर थाना के कोट बाजार स्थित आवास से दुकान जाते समय व्यवसायी प्रभात हिसारिया को अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच कर रही है। राजधानी पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के के नुरूद्दीनपुर गांव में मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे खेत पर जा रहे रिटायर दारोगा सुनील सिंह उर्फ सिद्धि सिंह को गोलियों से भून दिया गया। सिर, सीने व पीठ समेत अन्य जगहों पर अपराधियों ने उन्हें ताबड़तोड़ छह गोली मारी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के पीछे भूमि विवाद को लेकर चल रही पुरानी रंजिश व एक साल पूर्व रिटायर सैनिक कपिल सिंह की गोली मारकर की गई हत्या की अदावत का बदला लेने से जोड़कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमपी में आज से शराब की बिक्री की अनुमति, कई शहरों में बंद रहेंगी दुकानें

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन के चौथे चरण में राज्य में बुधवार से शराब की बिक्री को हरी झंडी दे दी। हालांकि, इंदौर और उज्जैन समेत कई शहरों में शराब की दुकानें अभी भी बंद रहेंगी। राज्य सरकार के अनुसार, शराब की दुकानें भोपाल, बुरहानपुर, जबलपुर, खंडवा, मंदसौर, नीमच आदि में भी बंद रखने का आदेश दिया गया है। मालूम हो कि राज्य में इंदौर कोरोना वायरस से बुरी तरह से प्रभावित है। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में अभी तक कोरोना वायरस के पांच हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अभी तक 5465 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। इसमें से 2630 लोग ठीक हुए हैं। वहीं, 258 लोगों की मौत हुई है। वहीं, भारत में कोरोना वायरस की एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी उछाल देखने को मिली है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 5,611 नए

मामले सामने आए हैं और करीब 140 लोगों की मौतें हुई हैं। बुधवार को जारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर करीब 106750 हो गए हैं और कोविड-19 से अब तक 3303 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के कुल 106750 केसों में 61149 एक्टिव केस हैं, वहीं 42297 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है या फिर वह ठीक हो चुके हैं।

कोरोना लॉकडाउन: अपनों से मिलने के लिए लोग काट रहे चक्कर, लेकिन पास के नाम पर सिर्फ दौड़ाया जा रहा है...

पटना। पटना के एक राष्ट्रीयकृत बैंक के मैनेजर का पूरा परिवार ससुराल में फंसा है और वह पटना में हैं। बच्चों के साथ नौकरी की चिंता में वह परेशान हो गए हैं। होली की छुट्टी में उत्तर प्रदेश गए पत्नी बच्चों को लाने की सोच ही रहे थे कि कोरोना की महामारी में लॉकडाउन हो गया। दो माह तक लंबे इंतजार के बाद जब थोड़ी राहत मिली तो वह पास के लिए चक्कर काटने लगे। अब पास के लिए कई दिनों से दौड़ रहे, लेकिन कोई काम नहीं हो रहा है। पत्नी बच्चों को ससुराल से लाने का हवाला देकर वह ऑनलाइन आवेदन किए, लेकिन चार दिन बाद भी पास नहीं मिल सका है। मंगलवार को मेडिकल के लिए बुलाया गया और बैंक छोड़कर मेडिकल के लिए गए बिना पास के लिए वापस लौटे। वह अकेले नहीं हैं, पटना में ऐसे लोगों की संख्या हजारों में हजारों में है जो पास के लिए लंबा इंतजार कर रहे हैं।

हर दिन चार सौ से अधिक ऑनलाइन आवेदन आ रहे -पटना से प्रदेश के अन्य जिलों में जाने वालों की संख्या काफी अधिक है। हर दिन चार सौ से अधिक आवेदन ऑनलाइन हो रहा है। लेकिन पास जारी समय से नहीं हो पाता है।

इस कारण से लंबी पेंडग हो रही है। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार एक दिन में चार सौ से अधिक आवेदन में महज पचास से 80 का ही पास जारी हो रहा है। हर दिन पास के लिए लोगों की भीड़ लग रही है, लेकिन 60-80 फीसदी लोग मायूस होकर लौट जाते हैं।

मेडिकल के नाम पर दौड़ रहे आवेदक-सबसे बड़ी समस्या मेडिकल को लेकर है। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद आवेदक को मेडिकल के लिए बुलाया जाता है। मंगलवार को मेडिकल कराने आए लोगों का कहना है कि व्यवस्था ठीक नहीं है जिस कारण से घंटों इंतजार करना पड़ता है। मेडिकल का नंबर भी आता है तो महज कोटा पूर्ति की जाती है। बस थर्मल स्कैनर से शरीर का तापमान नापा जाता है। ऐसे में आवेदक सवाल खड़ा कर रहे हैं कि यह सिर्फ दौड़ाने व परेशान करने के लिए किया जा रहा है। अगर धूप से इंसान आएगा तो उसका तापमान तो गर्म ही होगा, लेकिन कोई ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है।

स्वच्छता को लेकर शहरों की रेटिंग जारी, इंदौर को फाइव स्टार और नई दिल्ली को थ्री स्टार रेटिंग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कचरा प्रबंधन को लेकर भारतीय शहरों की रेटिंग जारी कर दी है। इसे जारी करते हुए कोरोना के खिलाफ जंग में 'स्वच्छ भारत मिशन' का अहम योगदान बताया गया है। इंदौर, अंबिकापुर, नवी मुंबई, सूरत सहित छह शहरों को फाइव स्टार रेटिंग दी गई है। वहीं, नई दिल्ली को तीन, जबकि दिल्ली कैंट को सिंगल स्टार रेटिंग हासिल हुई है। स्वच्छता रेटिंग की इस दौड़ में में देश के 1435 शहर शामिल हुए। इनमें से 698 शहरों को छांटा गया, जिनमें से 141 को ही रेटिंग प्रदान की गई है। देश के 1.19 करोड़ से ज्यादा नागरिकों की प्रतिक्रिया ली गई। 10 लाख से अधिक जियो-टैग्ड तस्वीरें इकट्ठा की गईं। इसमें 1210 फील्ड अधिकारियों ने 5175 कचरा प्रबंधन संयंत्रों का दौरा किया।

6 शहर को फाइव स्टार तो 65 को थ्री स्टार रेटिंग मिली-फाइव स्टार शहरों में अंबिकापुर (छत्तीसगढ़), राजकोट और सूरत (गुजरात), मैसूर (कर्नाटक), इंदौर (मध्य प्रदेश), नवी मुंबई (महाराष्ट्र) को शामिल

किया गया है। थ्री स्टार शहर- नई दिल्ली, करनाल (हरियाणा), तिरुपति और विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश), चंडीगढ़, भिलाई नगर (छत्तीसगढ़), अहमदाबाद (गुजरात), भोपाल (मध्य प्रदेश), जमशेदपुर (झारखंड) सहित अन्य शहर शामिल हैं। सिंगल स्टार शहर- दिल्ली कैंट, रोहतक (हरियाणा), ग्वालियर, माहेश्वर, खंडवा, बदनावर, हथोड (मध्य प्रदेश), वडोदरा, भावनगर और व्यारा (गुजरात) जैसे शहर शामिल हैं। रेटिंग की घोषणा करने वाले केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'स्वच्छ भारत' अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किया गया सबसे अहम अभियान करार दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग में यह अभियान सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। पुरी ने कहा कि पिछले पांच साल में स्वच्छ भारत अभियान ने भारतीय शहरों में साफ-सफाई को बढ़ावा देने में जो योगदान दिया है, उससे कोरोना के कहर को बहुत हद तक काबू रखने में मदद मिली। पुरी ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत बड़े पैमाने पर शौचालय बनाए जाने से खुले में शौच की समस्या खत्म हुई। इसके अलावा साफ-सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ी।

श्रमिकों के लिए बसों को लेकर घटिया राजनीति कर रही है यूपी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार श्रमिकों को उनके गंतव्यों तक भेजने के लिए उसकी ओर से मुहैया कराई जा रही बसों को लेकर घटिया राजनीति कर रही है। पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह भी कहा कि ये बसें बुधवार शाम पांच बजे तक राजस्थान से लगी उत्तर प्रदेश सीमा पर खड़ी रहेंगी और उत्तर प्रदेश सरकार को इन्हें जाने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा कि यह घटिया राजनीति की चरम सीमा है। अजय सिंह बिष्ट सरकार (योगी आदित्यनाथ सरकार) गोल-गोल घूमा रही है। इस राजनीति का औचित्य क्या है? हम सरकार के इस रुख की कड़ी निंदा करते हैं। सिंघवी के मुताबिक मई के अंत की चिलचिलाती गर्मी के बीच और पैर में छाले लेकर श्रमिक चल रहे हैं, लेकिन बसों को रोका जा रहा है और सस्ती राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने खुद कहा है कि अगर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री चाहें तो बसों पर भाजपा के अपने बैनर-झंडे लगा लें, लेकिन बसों को जाने की अनुमति दें। अभी समय है। हमारी बसें आज चार बजे तक वहां रहेंगी। अगर अजय सिंह बिष्ट जी को जनादेश और जनता की चिंता है तो तुरंत बसों को चलाने की अनुमति दीजिए।

अज्ञात बदमाशों ने एटीएम को बम से उड़ाया, नकदी लेकर हुए फरार

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में तीन अज्ञात बदमाशों ने बैंक के एटीएम को बम लगाकर उड़ा दिया और एटीएम में रखी नकदी निकाल कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना गैसाबाद थानाक्षेत्र के ग्राम हिनौता कला में रविवार रात को घटित हुई। विस्फोट की आवाज सुनकर आसपास के लोग एटीएम के पास पहुंचे तो बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर उन्हें डराया और बाइक पर सवार होकर भाग गए। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) हेमंत चौहान ने बताया कि अज्ञात लुटेरों ने रविवार रात्रि करीब नौ बजे ग्राम हिनौता कला के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में विस्फोट किया और नकदी लेकर भाग गए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बैंक अधिकारियों से बात की जा रही है और एटीएम में कितनी राशि थी इसकी भी जानकारी ली जा रही है। एसपी ने बताया कि पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ बयानबाजी करना

पूर्व सांसद को पढ़ सकता है भारी, बीजेपी ने मांगा जवाब

इंदौर। वरिष्ठ भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलते हुए तीखी बयानबाजी कर रहे पूर्व लोकसभा सांसद प्रेमचंद बौरासी गुड्डू से पार्टी की प्रदेश इकाई ने घोर

अनुशासनहीनता को लेकर मंगलवार को जवाब तलब किया। भाजपा की इंदौर जिला इकाई (ग्रामीण) के अध्यक्ष राजेश सोनकर ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रदेश भाजपा इकाई ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी को लेकर गुड्डू को नोटिस जारी किया है। उनसे कहा गया है कि वह सात दिन के भीतर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के सामने अपना स्पष्टीकरण पेश करें। वरना उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाये जायेंगे। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश भाजपा इकाई द्वारा गुड्डू को भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि वह इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के आगामी उपचुनाव की पृष्ठभूमि में प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं और उनका यह कृत्य घोर अनुशासनहीनता की परिधि में आता है। हालांकि, इस नोटिस में भाजपा के किसी वरिष्ठ नेता के नाम का सीधा उल्लेख नहीं किया गया है। लेकिन वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाने वाले गुड्डू, सिंधिया को सामंती सोच का नेता बताकर उन पर लगातार हमले कर रहे हैं। गुड्डू की ताजा बयानबाजी को इन अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है कि वह जल्द ही पाला बदलकर सांवेर विधानसभा सीट के आगामी उपचुनाव में कांग्रेस खेमे से उम्मीदवार हो सकते हैं।

उधर, सिंधिया खेमे के वफादार नेता तुलसीराम सिलावट को इस क्षेत्र के चुनावी मैदान में भाजपा की ओर से उतारा जा सकता है। यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में पहले ही शामिल हो चुके सिलावट, शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली मौजूदा राज्य सरकार में जल संसाधन मंत्री हैं। सांवेर के विधानसभा उपचुनाव से पहले दल-बदल की भूमिका बनाते दिखायी दे रहे गुड्डू का लम्बा राजनीतिक जीवन कांग्रेस में ही गुजरा है। हालांकि, प्रदेश के नवंबर 2018 के पिछले विधानसभा चुनावों से चंद रोज पहले वह अपने पुत्र अजीत बौरासी के साथ भाजपा के पाले में चले गये थे। भाजपा ने इन चुनावों में अजीत को पड़ोसी उज्जैन जिले की घट्टिया सीट से उम्मीदवार बनाया था। लेकिन गुड्डू के पुत्र अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार रामलाल मालवीय के हाथों चुनाव हार गये थे।

सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां: रजिस्ट्रेशन एक हजार का था, पुलिस ने लाठीचार्ज किया

श्रमिक स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए बांद्रा रेलवे स्टेशन के बाहर 5 हजार लोग पहुंचे

- आसपास के पुलिस स्टेशन से भी अतिरिक्त फोर्स मौके पर बुलाई गई है
- एक महीने पहले भी बांद्रा स्टेशन के बाहर हजारों लोग इकट्ठा हो गए थे

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई के बांद्रा स्टेशन के बाहर मंगलवार सुबह 10-11 बजे श्रमिक स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए पांच हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए। जिस ट्रेन को रवाना होना था, उसके लिए सिर्फ एक हजार लोगों का ही रजिस्ट्रेशन था। स्टेशन के बाहर लगातार बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने सभी मजदूरों को वहां से हटाया। जानकारी के मुताबिक, श्रमिक स्पेशल ट्रेन मुंबई से बिहार जा रही थी। इस दौरान यात्रियों ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ी।

दोपहर तक स्टेशन के बाहर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। पुलिस लगातार लोगों से घर जाने की अपील कर रही है। स्टेशन पर पहुंचे लोगों में बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चे भी हैं। आसपास के पुलिस स्टेशनों से भी अतिरिक्त फोर्स को मौके पर बुलाया गया।

एक महीने पहले भी मुंबई के बांद्रा स्टेशन के बाहर हजारों लोग जुटे थे और घर भेजने की मांग करने लगे। इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज कर लोगों को भगाना पड़ा था। इस मामले में भीड़ को उकसाने के आरोप में एक पत्रकार समेत 6 लोगों पर केस भी दर्ज हुआ था। राज्य में 20 लाख ऐसे मजदूर हैं, जो अपने गृह राज्य जाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। ज्यादातर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चित बंगाल के हैं। अब तक करीब 3 लाख मजदूरों को महाराष्ट्र सरकार ने उनके राज्यों में भेजा है। उन मजदूरों का कोई रिकॉर्ड नहीं है जो निजी वाहन से या पैदल चले गए हैं। इसकी पुष्टि राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख की ओर से की गई है।

कोरोना लेकर अपने गांव न जाएं प्रवासी मजदूर: उद्धव

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को जनता से अपील की है कि वे संक्रमित होकर अपने गांव-घर न जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य के जो हिस्से ग्रीन जोन हैं उन्हें सुरक्षित रखना है। उन्हें रेड जोन नहीं बनने देना है। जो अभी रेड जोन हैं, उन्हें ग्रीन जोन में बदलना है। इसीलिए रेड जोन में लॉकडाउन के दौरान लगाई गई पाबंदियों में कोई ढील नहीं दी जाएगी।

महाराष्ट्र में अब 1328 पुलिसवाले संक्रमण की गिरफ्त में आए, राहत के लिए केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती शुरू

महाराष्ट्र पुलिस के जवानों में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान यहां 55 नए केस सामने आए हैं। इसे मिलाकर कुल संक्रमित पुलिसवालों की संख्या बढ़कर 1328 तक पहुंच गई है। वहीं, अब तक 12 पुलिसकर्मी जाना गंवा चुके हैं। महाराष्ट्र पुलिस इन दिनों बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रही है। पुलिस वालों को आराम देने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबल की यानि सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की 20 अतरिक्त कंपनियां राज्य में तैनात की जा रही हैं। इनमें से मुंबई में 10 कंपनियों को लगाया जा रहा है। यहां जोन-1, 3, 5, 6 और 9 में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती की जाएगी। सीएम उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी के साथ कोविड-19 की समीक्षा बैठक के दौरान सेंट्रल फोर्स की मांग की थी। उन्होंने कोरोना की वजह से महाराष्ट्र के पुलिसकर्मियों के संक्रमित होने और आने वाले ईद के त्योहार के मद्देनजर केंद्रीय बल की मांग की थी।

राज्य में पिछले 24 घंटों में 51 लोगों की मौत

पिछले 24 घंटे के अंदर महाराष्ट्र में कोरोना के 2033 मामले सामने आए और 51 लोगों की मौत हुई है। महाराष्ट्र में कोरोना महामारी की चपेट में आकर अब तक 1249 लोग जान गंवा चुके हैं। अकेले मुंबई में अब तक 757 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, मुंबई में कुल मरीजों की संख्या 21 हजार 335 है। पिछले 24 घंटे में 1185 नए मामले सामने आए हैं। मुंबई पुलिस के पीआरओ ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां जोन-1 में कोलाबा से मरीन ड्राइव, जोन-3 में तारदेओ, नागपाड़ा, वर्ली से एन.एम.जोशी मार्ग तक, जोन-5 में धारावी से लेकर दादर तक, जोन-6 में चेंबूर से मानखुर्द, जोन-9 में बांद्रा से अम्बोली (अंधेरी वेस्ट) तक फोर्स की टुकड़ियां तैनात कर दी जाएंगी। बात दें कि राज्य में पहले से ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 32 कंपनियां तैनात हैं और वे महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

राजस्थान में 250 नए मरीज मिले, एक की मौत, जयपुर में बड़ी संख्या में सड़कों पर निकले लोग, कई जगह जाम की स्थिति बनी

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को 250 नए पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें डूंगरपुर में 70, पाली में 69, बाड़मेर और जयपुर में 17-17, नागौर में 16, उदयपुर में 13, जोधपुर और सिरोही में 11-11, टोंक और कोटा में 5-5, बीकानेर में 3, सीकर, प्रतापगढ़, झुंझुनू में 2-2, दौसा, झालावाड़, धौलपुर, सिरोही, चूरू, अलवर और अजमेर में 1-1 संक्रमित मिला। इसके साथ राज्य में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 5,757 तक पहुंच गया। भरतपुर में एक मौत भी रिकॉर्ड की गई। इसके बाद राज्य में कुल मौतों का आंकड़ा 139 तक पहुंच गया।

गाइडलाउन जारी होने के बाद सड़कों पर लोग

जयपुर में लॉकडाउन 4.0 की शुरूआत के साथ कर्फ्यू में ढील को लेकर काफी असमंजस पैदा हो गया। मंगलवार सुबह लोग अपने ऑफिस के लिए निकल पड़े। इसके बाद सड़कों पर लंबा जाम लग गया। कई वाहन कर्फ्यू वाले इलाके में चले गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें वापस भेजा।

पॉजिटिव को भी कर दिया डिस्चार्ज

डूंगरपुर जिला अस्पताल में डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां रविवार रात ठीक हुए दो मरीजों के साथ एक पॉजिटिव मरीज को भी डिस्चार्ज कर दिया गया। सुबह अस्पताल को अपनी भूल का पता चला तो उसे आनन-फानन में वापस लाया गया। पॉजिटिव मरीज अपने गांव में 16 घंटे रहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश के कर्फ्यू वाले इलाकों को छोड़ कर सभी जगहों पर कमर्शियल एक्टिविटी शुरू की जाएगी। अंतर्राज्यीय बस परिवहन को लेकर अन्य राज्यों के साथ बात चल रही है। प्रवासी मजदूर पैदल नहीं चलें, इसकी व्यवस्था भी की जा रही है।

देश की राजधानी में अब सारी दुकानें खुलेंगी, कैब और ऑटो चलेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को राजधानी में लॉकडाउन में बड़ी छूट का ऐलान किया। इसके बाद अब सभी स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स, स्टेडियम खुल जाएंगे। सभी तरह की दुकानें खुलेंगी। सड़कों पर बस, ऑटो-रिक्शा चलने लगेंगी। बस में एक बार में केवल 20 लोग ही बैठ सकेंगे। रेस्टोरेंट भी खोलने का आदेश जारी किया गया है, लेकिन केवल होम डिलीवरी का ऑप्शन होगा। रेस्टोरेंट में बैठकर खाने की अनुमति नहीं होगी।

सीएम बोले- कोरोना के साथ जीना सीखना होगा

केजरीवाल ने कहा कि कोरोना को अब जिंदगी का हिस्सा मानकर चलना होगा। इसके साथ जीना सीखना होगा। ज्यादा दिन तक लॉकडाउन नहीं रख सकते। हम सभी मिलकर कोरोना महामारी से जीत हासिल करेंगे। दिल्ली में अब तक 44 हजार 485 लोग मामले मिले हैं। इनमें से 10 हजार 54 केस ठीक हुए हैं। 45 प्रतिशत लोग ठीक हुए हैं। 160 लोगों की मौत हुई है। हम एक एक जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इतने मामलों में जो मौतें हुई हैं वह अन्य राज्यों और अन्य देशों की तुलना में कम है।

इन गतिविधियों पर 31 मई तक रोक जारी रहेगी

- शाम 7 से सुबह 7 बजे तक घर से बाहर निकलने पर पाबंदी जारी रहेगी।
- स्कूल-कॉलेज, कोचिंग संस्थान नहीं खुलेंगे।
- 10 साल से कम बच्चे और 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को घर से निकलने पर पाबंदी।
- होटल, सिनेमा हॉल, शॉपिंग मॉल नहीं खुलेंगे।
- किसी तरह के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होंगे।
- मेट्रो ट्रेनें फिलहाल नहीं चलेंगी।

उप्र में पुलिस ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को हिरासत में लिया, प्रियंका गांधी के निजी सचिव पर एफआईआर

- आगरा से जुड़े राजस्थान बॉर्डर पर श्रमिकों से मिलने पहुंचे थे अजय कुमार लल्लू
- पुलिस ने रोका तो धरने पर बैठे, पुलिस ने हिरासत में लिया
- लखनऊ के अपर पुलिस आयुक्त ने कहा- 1000 वाहनों से अधिक की लिस्ट में 879 ही बस

आगरा ■ एजेंसी

जिले में राजस्थान बॉर्डर के नजदीक यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वे फतेहपुर बॉर्डर पर फंसे श्रमिकों से मिलने के पहुंचे थे। यहां उनकी पुलिस से बहस भी हुई। इस दौरान लल्लू ने पुलिस से कहा- बॉर्डर पर हमारी 1000 बसें तैयार हैं। हमें जाने दीजिए, ताकि प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाया जा सके। बाकी आपकी सरकार भाषण दे रही है। लल्लू यहां समर्थकों के साथ बीच सड़क धरने पर बैठ गए थे। आखिरकार पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और टांगकर उन्हें वहां से ले गई। वहीं, लखनऊ के आरटीओ ने अजय कुमार लल्लू व प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह पर धोखाधड़ी के आरोप में हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई।

एक हजार बसों की सूची के मामले में लखनऊ आरटीओ आरपी द्विवदी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू पर हजरतगंज कोतवाली में धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि, बसों की सूची की जांच में ऑटो, एंबुलेंस व बाइक के नंबर मिले। वहीं, कुछ बसों के नंबर की पुष्टि नहीं हो पाई। कुछ बसों के नंबर चोरी के वाहन होने की भी आशंका है।

हम श्रमिकों को घर तक पहुंचाने के लिए संकल्पित

अजय कुमार लल्लू ने कहा- एक तरफ सरकार बसों की अनुमति देती है और दूसरी तरफ बॉर्डर पर पुलिस बसों को नोएडा-गाजियाबाद नहीं जाने दे रहीं और ना ही लिखित में कारण बता रही है। मुख्यमंत्री जी कांग्रेस पार्टी श्रमिकों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस श्रमिक भाईयों को ऐसे हालात में नहीं छोड़ सकती। सरकार संवेदनहीनता की सारी पराकाष्ठा पार कर चुकी है। यह सरकार नहीं चाहती कि, श्रमिक अपने घरों तक पहुंचे। सरकार को हम बताना चाहते हैं कि, श्रमिक भाईयों को उनके घरों तक अपनी बसों से पहुंचाने के लिए हम संकल्पित हैं। इसके बाद प्रियंका गांधी ने ट्विट कर लिखा कि, यूपी सरकार ने हद कर दी है। अब राजनीति परहेजों के परे करते हुए त्रस्त और असहाय प्रवासी भाई बहनों की मदद करने का मौका मिला तो दुनिया भर की बाधाओं को सामने रख दिया गया। योगी जी इन बसों पर आप चाहें तो भाजपा का बैनर लगवा दीजिए। अपने पोस्टर बेशक लगवा दीजिए लेकिन हमारे सेवाभाव को मत ठुकराइए। इस राजनीति खिलवाड़ में तीन दिन बर्बाद हो चुके हैं। इन तीन दिनों हमारे देशवासी सड़कों पर चलते हुए दम तोड़ रहे हैं।

गन्ने के खेतों से भागकर बचाई जान
हत्याकांड से नाराज ग्रामीणों ने भाजपा विधायक को दौड़ाया

अयोध्या ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में भाजपा से जुड़े ग्राम प्रधान की हत्या के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे भाजपा विधायक बाबा गोरखनाथ को जनता के आक्रोश को झेलना पड़ा। लोगों ने उन्हें खदेड़ लिया तो विधायक को गन्ने के खेत से होते हुए अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस वालों ने उन्हें सुरक्षित भीड़ से बचाया। इसके बाद विधायक गाड़ी में सवार होकर निकल गए।

अयोध्या जिले में सोमवार को इनायतनगर थाना इलाके के पलिया प्रताप शाह गांव में भाजपा से जुड़े ग्राम प्रधान जयप्रकाश सिंह व उनके पंचायत चुनाव में उम्मीदवार रहे राम पदारथ यादव के बीच गांव की एक पंचायत में वाद विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद दोनों के गुटों में गोलियां चलीं। इसमें प्रधान जयप्रकाश सिंह व राम पदारथ यादव को एक दूसरे के विपक्षी गुटों ने गोली मारकर हत्या कर दी। राम पदारथ यादव की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घायल प्रधान जयप्रकाश सिंह को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया था।

विधायक पर चौकी इंचार्ज का ट्रांसफर रुकवाने का आरोप

भाजपा नेता जय प्रकाश सिंह का शव जब पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा तो सांसद लल्लू सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने श्रद्धांजलि दी। उसके बाद क्षेत्रीय विधायक गोरखनाथ बाबा भी अपने समर्थकों के साथ शोक संवेदना प्रकट करने के लिए पहुंचे। उन्हें देखते ही ग्रामीण भड़क गए। उन्हें तत्काल मौके से भाग जाने की हिदायत दी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि, तीन वर्षों से हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी राजेश यादव विद्यमान था। इसकी शिकायत पुलिस विभाग से की गई थी। लेकिन, विधायक ने हर बार उसका स्थानांतरण रुकवाया। इसके चलते ये वारदात हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने विधायक को दौड़ा लिया। हालात बेकाबू होते देख विधायक गन्ने के खेतों से भागे। उनके पीछे भीड़ दौड़ पड़ी।

इराक : दो सुरक्षा अभियानों में मारे गए आईएस के 8 आतंकवादी

नई दिल्ली. इराक के दियाला और सलाहुदिन प्रांत में दो सुरक्षा अभियानों में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट(आईएस) के आठ आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। दियाला प्रांत के पुलिस के अली अल सुडानी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि खुफिया रपटों के आधार पर, सुरक्षा बलों ने मंगलवार को वादी थलब क्षेत्र में सुरक्षा अभियान को अंजाम दिया। अल सुडानी ने कहा कि अभियान में आईएस के चार आतंकवादी मारे गए और उनके छह ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। वहीं सलाहुदिन प्रांत पुलिस के मोहम्मद अल बाजी ने सिन्हुआ को बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रांत के पश्चिमी भाग स्थित अल-जजीरा में आत्मघाती बेल्ट पहने चार आतंवादियों को मार गिराया। इधर भारत में भी सुरक्षा बल आतंकवाद के सफाए में जुटे हैं। बीते मंगलवार को श्रीनगर के नवाकदल इलाके में सुरक्षाबलों का आतंकवादियों के साथ एनकाउंटर हुआ। एनकाउंटर में हिज्बुल मुजाहिद्दीन के दो आतंकवादी मारे गए हैं। तीन सुरक्षाकर्मियों के भी घायल होने की सूचना है। मौके से हथियार भी बरामद किए गए। यह एनकाउंटर उस वक्त शुरू हुआ जब सोमवार को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी को लेकर इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान की शुरुआत की। रात करीब 2 बजे दोनों ओर से फायरिंग शुरू और पांच घंटे तक चलती रही। सुबह 8 बजे एक बार फिर गोलीबारी शुरू हो गई। अब तक की कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मारे गए आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिद्दीन के हैं।

कोरोना वायरस से दुनिया में 48 लाख से ज्यादा संक्रमित, सवा तीन लाख मौतें

जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के अनुसार वैश्विक कोरोनोवायरस मामलों की कुल संख्या बढ़कर 48 लाख हो गई है, जबकि इस वायरस से मरने वालों की संख्या 3,23,000 को पार कर गई है। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई)के नए अपडेट के अनुसार, विश्व भर में बुधवार सुबह तक कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,897,492 पहुंची, जबकि इस वायरस से अबतक 323,285 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में विश्व में सबसे अधिक कोरोनावायरस मामलों की संख्या अमेरिका में है। यहां अबतक कुल कोरोनावायरस संक्रमितों की संख्या 1,528,568 है, जबकि इसकी चपेट में आकर मरने वालों की संख्या 91,921 है। रूस में मामलों की संख्या दूसरे स्थान पर है, यहां संक्रमितों की संख्या 299,941 है, जिसके बाद ब्राजील में 271,885, ब्रिटेन में 250,138, स्पेन में 231,606, इटली में 232,037, फ्रांस में 180,933, जर्मनी में 177,778, तुर्की में 151,615 और ईरान में 124,603 मामले दर्ज किए गए हैं। इस बीच, ब्रिटेन में कोरोनावायरस से मरने 35,422 लोगों की मौत हो गई। मौत का आंकडा 10,000 पार करने वाले अन्य देश, इटली में कोरोनवायरस से 32,169 लोगों की मौत, फ्रांस में 28,025, स्पेन में 27,778 और ब्राजील में 16,983 लोगों की मौत हो चुकी है।

सीमा विवाद सभी सरकारी दस्तावेजों, प्रतीक चिन्हों और स्कूल-कॉलेज की किताबों में पर अब यही नक्शा होगा

नेपाल ने नए राजनीतिक नक्शे को मंजूरी दी, भारतीय क्षेत्र कालापानी लिपुलेख और लिंपियाधूरा को अपने देश का हिस्सा बताया

- नक्शा वित्त मंत्री युबराज खाटीवाडा ने जारी किया, मंत्रिपरिषद की बैठक में इसे मंजूरी दी गई

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल ने अपने नए राजनीतिक नक्शे को मंजूरी दे दी है। इसमें तिब्बत, चीन और नेपाल से सटी सीमा पर स्थित भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधूरा को नेपाल का हिस्सा बताया गया है। नए नक्शे में नेपाल के उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को दिखाया गया है। इन सीमाओं से सटे इलाकों की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बारे में भी बताया गया है। नेपाल के वित्त मंत्री युबराज खाटीवाडा ने नया नक्शा जारी करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि अपडेटेड नक्शे को मंत्रिपरिषद की बैठक में रखा गया, जहां इसे मंजूरी दे दी गई। इस नक्शे को सभी सरकारी दस्तावेजों पर इस्तेमाल किया जाएगा। देश के प्रतीक चिन्हों पर भी अब से यही नक्शा होगा। किताबों में यही नक्शा पढ़ाया जाएगा और आम लोग भी इसका ही इस्तेमाल करेंगे। भारत ने 8 मई को लिपुलेख-धारचूला मार्ग का उद्घाटन किया था। नेपाल ने इसे एकतरफा फैसला बताते हुए आपत्ति जताई थी। उसका दावा है कि महाकाली नदी के पूर्व का पूरा इलाका नेपाल की सीमा में आता है। जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि लिपुलेख हमारे सीमा क्षेत्र में आता है और लिपुलेख मार्ग से पहले भी मानसरोवर यात्रा होती रही है। हमने अब सिर्फ इसी रास्ते पर निर्माण कर तीर्थ यात्रियों, स्थानीय लोगों और कारोबारियों के लिए आवागमन को सुगम बनाया है।

भारत ने नवम्बर 2019 में जारी किया था अपना नक्शा

भारत ने अपना नया राजनीतिक नक्शा 2 नवम्बर 2019 को जारी किया था। इसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने सर्वेक्षण विभाग के साथ मिलकर तैयार किया है। इसमें कालापानी, लिंपियधुरा और लिपुलेख इलाके को भारतीय क्षेत्र में बताया गया है। नेपाल ने उस समय भी इस पर ऐतराज जताया था। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने सीमा से किसी प्रकार की छेड़छाड़ से इनकार किया था। विदेश मंत्रालया ने कहा था कि नए नक्शे में नेपाल से सटी सीमा में बदलाव नहीं है। हमारा नक्शा भारत के संप्रभु क्षेत्र को दशार्ता है। नेपाल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच 1816 में एंग्लो-नेपाल युद्ध के बाद सुगौली समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें काली नदी को भारत और नेपाल की पश्चिमी सीमा के तौर पर दशार्या गया है। हालांकि, दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। दोनों देशों के पास अपने-अपने नक्शे हैं जिसमें विवादित क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में दिखाया गया है।

संपादकीय

तीन साल के फौजी

सेना की ओर से दिया गया तीन साल सेवा का 'टूर ऑफ ड्यूटी' प्रस्ताव जवानी की दहलीज पर कदम रख रही पीढ़ी में जबर्दस्त उत्सुकता और दिलचस्पी जगाएगा। इसे उन युवाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जो सैन्य सेवाओं का रोमांच तो महसूस करना चाहते हैं, लेकिन अपना जीवन सेना तक ही सीमित नहीं रखना चाहते। प्रस्ताव यह है कि अर्हता-पात्रता की सीमाओं को पार करने और एक निश्चित प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद लोग तीन साल तक सेना को अपनी सेवाएं दें, फिर अलग करियर अपना कर नागरिक जीवन में इस अनुभव का लाभ उठाएं। देश में नौकरियों का हाल देखते हुए इस प्रस्ताव की उपयोगिता और बढ़ जाती है। सैन्य प्रशिक्षण और तीन साल की सैन्य सेवा से युवा ऊर्जा को एक स्पष्ट दिशा मिलेगी सो अलग। फिजिकल फिटनेस के अलावा देशभक्ति, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना इन युवाओं को न केवल बेहतर नागरिक बनाएगी बल्कि विभिन्न प्रफेशनल भूमिकाओं के लिए उनकी पात्रता को भी नई ऊंचाई देगी। इजराइल जैसे कुछेक देशों में न्यूनतम सैन्य प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाया गया है, लेकिन अपने यहां इस प्रस्ताव का स्वरूप पूरी तरह ऐच्छिक है। सेना ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिस स्तर की भर्ती के लिए जो भी पात्रताएं तय हैं, उनमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। यह सावधानी इसलिए जरूरी है कि बड़ी संख्या में और कम अवधि के लिए लोगों का आना सेना की कार्य संस्कृति के लिए समस्या खड़ी कर सकता है। इस प्रस्ताव का एक फायदा यह भी बताया जा रहा है कि लंबी अवधि में इससे सैनिकों के वेतन, पेंशन और ग्रैच्युटी आदि पर आने वाले खर्च में कमी आएगी। सवाल सेना के मनोबल और कौशल का हो तो खर्च को किसी बदलाव का महत्व नापने की कसौटी नहीं बनाया जा सकता, लेकिन अगर सारी जरूरतें पूरी करने के बाद भी इससे खर्च कुछ कम होता हो तो इसको आजमाने में कोई हर्ज नहीं है। यह जरूर है कि उच्च तकनीकी और ऑटोमेशन के इस युग में दुनिया का जोर सैन्य बलों की संख्या कम करके उनका तकनीकी कौशल और मैदानी दक्षता बढ़ाने पर है। उनका लक्ष्य ऐसे स्मार्ट सैनिक विकसित करने का है, जो कई स्रोतों से आ रही सूचनाओं का उपयोग करते हुए अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों के बल पर अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम दे सकें। ऐसे में कुछ लोगों के मन में सवाल उठ सकता है कि भारतीय सेना तीन-तीन साल के लिए युवाओं को शामिल करके कौशल से ज्यादा संख्या को महत्व देने की गलती तो नहीं कर रही। लेकिन याद रहे, सेना ने 'टूर ऑफ ड्यूटी' का प्रस्ताव स्थायी ऑफिसरों और सैनिकों की जगह लेने के लिए नहीं दिया है। उसके पास कई तरह के फौजियों के लिए कई तरह के काम हैं। मौजूदा प्रस्ताव के उद्देश्य और उसकी सीमाओं को ध्यान में रखें तो यह सेना के साथ-साथ नागरिक समाज के लिए भी काफी उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

नई कार्य संस्कृति की चुनौतियां

अभिषेक कुमार सिंह

घर से काम करने की अवधारणा को लेकर कुछ बुनियादी सवाल भी हैं। जैसे कि यह क्या घर से काम की नीति कर्मचारियों की तरक्की पर नकारात्मक असर तो नहीं डालती। साथ ही, आशंका यह भी है कि सिर्फ किसी आपदा के समय में ऑनलाइन कामकाज के आधे-अधूरे प्रबंध कहीं हालात बिगाड़ने वाले तो साबित नहीं होंगे। अभिषेक कुमार सिंह कई आपदाओं को इसके लिए याद रखा जाता है कि उनकी मौजूदगी के दौर में और उनके खत्म होने के बाद दुनिया वैसी नहीं रह पाती है, जैसी कि वह अरसे से थी। यह कायदा कोविड-19 के मौजूदा परिदृश्य में साकार होते हुए दिख रहा है। खासतौर से कामकाजी दुनिया पर कोरोना संकट का जो ऐतिहासिक असर हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इस महामारी ने पूरे विश्व की कार्य संस्कृति में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

धीरे-धीरे जब दुनिया से इसका खात्मा होगा, तो बहुत कुछ ऐसा होगा जिसे संपन्न कराने के लिए किसी कार्यस्थल पर जाने की बजाय घर बैठे कोई प्रबंध- जैसे कि ऑनलाइन करना होगा। हालांकि भारत जैसे देशों की समस्या यह रही है कि यहां घर से काम करने की अवधारणा को साकार करने की कोशिशें न्यून और कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित रही हैं। जबकि दुनिया की बदलती जरूरतों के मुताबिक ऐसे उपायों पर सतत अमल की सख्त जरूरत पैदा हो चुकी है। घर को दफ्तर में बदलने की जरूरत रूपी अवधारणा की चर्चा पूरी दुनिया में बीते कई दशकों से हो रही है। दावा है कि दफ्तर के बजाय घर से काम करने का मूल सुझाव एक अमेरिकी प्रबंधक डेम स्टीफन शर्ली की तरफ से आया था। बीती सदी में 1960 के दशक में उन्होंने यह विचार कंपनियों के सामने रखा था कि यदि आधुनिक तकनीकियों की मदद ली जाए, तो कई दफ्तरी काम ऐसे हैं जिन्हें कर्मचारी घर से कर सकते हैं। इसके बाद के छह दशकों में तो इंटरनेट और टेली-नेटवर्किंग जैसी तकनीक तो मीलों आगे निकल आई हैं, जिनमें आइटी और बीपीओ उद्योग के बहुत से काम घर से ही कराए जा रहे हैं। इधर, विश्वविद्यालयों से लेकर स्कूलों तक की ऑनलाइन कक्षाओं ने भी इस बहस को आगे बढ़ाया है कि यदि पढ़ाई और परीक्षा के प्रबंध कॉलेज-स्कूल आए बगैर हो सकते हैं तो कई अन्य जरूरी कार्यों को भी घर से ही संपन्न क्यों नहीं कराया जा सकता।

यह बहस हवाई नहीं है, बल्कि औद्योगिक संगठन- एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचैम) ने पिछले महीने देश की साढ़े तीन हजार कंपनियों के प्रबंधकों से बातचीत कर जो रिपोर्ट तैयार की है, उसका निष्कर्ष यह है कि पूर्णबंदी के बाद कंपनियां अपने दफ्तरों की रूपरेखा में बदलाव करने की तैयारी में लग गई हैं।

मानव इतिहास में यह पहला ऐसा मौका है जब पूर्णबंदी के बावजूद कुछ चीजों को छोड़ कर दुनिया का ज्यादातर कारोबार बदस्तूर चलता रहा है। लोगों को राशन-पानी मिल रहा है, दवाओं समेत कई अनिवार्य चीजों की सप्लाई यथावत है, अखबार तक छप रहे हैं और शिक्षा-परीक्षा में तारीखों में बदलाव को छोड़ कर मोटे तौर पर में ज्यादा रुकावटें नहीं आई हैं। ऑनलाइन शिक्षा को लेकर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा गठित एक विशेष कमेटी ने मानव संसाधन मंत्रालय तक से यह सिफारिश कर डाली है कि कोरोना संकट खत्म होने के बाद भी विभिन्न विश्वविद्यालयों में पच्चीस फीसद शिक्षण कार्य ऑनलाइन माध्यमों के जरिए कराया जाए।

इस नीति के तहत कॉलेजों में पचहत्तर फीसद पढ़ाई कक्षाओं में होगी, जबकि पढ़ाई का फीसद हिस्सा ऑनलाइन माध्यमों के जरिए पूरा किया जाएगा। पढ़ाई ही नहीं, इंटरनेट, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कई तरह के ऐप ने यह तक मुमकिन कर दिखाया है कि फिल्मकारों से लेकर आम लोग भी घर बैठे कोई छोटी-मोटी फिल्म बना लें और उसे दुनिया भर में पहुंचा दें। दुनिया चलाने के ऑनलाइन प्रबंधों का कितना ज्यादा फायदा हमारी पृथ्वी और प्रकृति को हो सकता है, यह बात पूर्णबंदी अवधि में स्वच्छ हुए पर्यावरण और जीवों को मिली आजादी के रूप में दिख रहा है। पर्यावरण को हुए इन फायदों की सूरत पूर्णबंदी खत्म होते पहले जैसी हो जाएगी, यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है। लेकिन इस मोड़ पर आकर यदि घर से काम करने के कई अन्य लाभों पर गौर किया जाए और इन पर अमल किया जाए तो हो सकता है कि संसार की एक नई शक्ल हमारे सामने आ सके। घर को दफ्तर में बदलने की जरूरत असल में अब इसलिए भी ज्यादा है कि ज्यादातर शहरों में घरों से दफ्तर की दूरियां बढ़ रही हैं। कामकाजी आबादी को दफ्तर पहुंचने के लिए बढ़ती दूरियों के अलावा यातायात जाम और परिवहन के बढ़ते खर्चों को भी वहन करना पड़ता है। इसी तरह व्यावसायिक इलाकों में जमीनें और दफ्तरों का किराया काफी महंगा है, जिसे चुकाना कंपनियों को भारी पड़ता है। दफ्तरों को जगमगाए रखने और वातानुकूलन की व्यवस्था करने में बिजली का बेइंतहा खर्च कई अन्य तरह के दबाव पैदा करता है।

यह बदलाव कितना असरदार हो सकता है, इस बारे में कुछ साल पहले अमेरिकी नागरिकों पर किए गए एक सर्वेक्षण में टेक्सास विश्वविद्यालय और रोसेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में बताया था कि वर्ष 2003 के मुकाबले में 2012 में अमेरिकी नागरिकों ने औसतन 7.8 दिन ज्यादा घर पर काम करते हुए बिताए। इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि अमेरिका में बिजली की मांग वर्ष 2012 में 1700 खरब यूनिट (बीटीयू- ब्रिटिश थर्मल यूनिट) की कमी आई। यह अमेरिका की कुल सालाना बिजली खपत का 1.8 फीसद है। इसके बजाय अगर लोग काम करने के लिए दफ्तर जाते तो यात्रा (अपनी कार, बस या मेट्रो आदि के जरिये) में बिजली और जीवाश्म ईंधन की खपत बढ़ती जिसका असर ग्लोबल वॉर्मिंग आदि रूपों में पृथ्वी की सेहत पर पड़ता।

घर से काम करने की अवधारणा को लेकर कुछ बुनियादी सवाल भी हैं। जैसे कि यह क्या घर से काम की नीति कर्मचारियों की तरक्की पर नकारात्मक असर तो नहीं डालती। साथ ही, आशंका यह भी है कि सिर्फ किसी आपदा के समय में ऑनलाइन कामकाज के आधे-अधूरे प्रबंध कहीं हालात बिगाड़ने वाले तो साबित नहीं होंगे। ये सवाल बेमानी नहीं हैं। ज्यादातर प्रबंधकों को यह लगता है कि घर बैठा कर्मचारी दफ्तर से ज्यादा घर के काम ही निपटाता है। ऐसे कर्मचारियों को प्रबंधक योग्य होने के बावजूद तरक्की देना पसंद नहीं करते हैं और उन्हें कम वेतनवृद्धि देते हैं। लेकिन इससे बड़ी समस्या सिर्फ फौरी तौर पर कामकाज को ऑनलाइन कर देने के तात्कालिक प्रबंधों से पैदा होती है।

ज्यादातर भारतीय घरों को इस तरह डिजाइन नहीं किया गया है कि कोई अवसर पड़ने पर घर के किसी कोने को वास्तविक दफ्तर में तब्दील किया जा सके और वहां से आसानी से कामकाज संपन्न कराया जा सके। ऐसी स्थितियां पैदा होने पर लोग या तो अपने बेडरूम या बैठक के सोफे पर ही बैठ कर कोई काम करते या ऑनलाइन कक्षाएं लेते नजर आते हैं। समस्या का दूसरा छोर इंटरनेट की गति से जुड़ा है। पूर्णबंदी होने पर जैसे ही कामकाज का बोझ इंटरनेट पर पड़ा, मालूम हुआ कि देश में इंटरनेट की गति मंद पड़ गई है। सबसे ज्यादा हास्यास्पद स्थिति ऑनलाइन शिक्षण के कामकाज में देखने को मिली, जहां शिक्षक अपनी रौ में पढ़ाते चले गए, लेकिन छात्रों की शिकायत रही कि खराब नेटवर्क के चलते उनके पल्ले कुछ भी नहीं पड़ा। निश्चय ही वक्त आ चुका है कि घर से काम करने की इस की अवधारणा को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाए और इसे स्वीकार किया जाए कि कई तरह के कामकाज घर को दफ्तर बनाते हुए संपन्न हो सकते हैं। लेकिन यह भी समझना होगा कि कभी-कभार आधे-अधूरे प्रबंधों के साथ घर को दफ्तर में तब्दील करने की मजबूरी सिर्फ उसी क्षेत्र के कामकाज के लिए नुकसानदेह नहीं, बल्कि पूरे देश और उसकी अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार सकती है।

पुण्यतिथि पर विशेष

स्वदेशी आंदोलन के अग्रणी महानायक बिपिन चन्द्र पाल

दीपक कुमार त्यागी

हमारे देश की आजादी में 'गरम दल' के 'लाल-बाल-पाल' की मशहूर तिकड़ी की बहुत ही अहम भूमिका मानी जाती है, इस महान तिकड़ी में 'लाल' थे लाला लाजपत राय, 'बाल' थे बालगंगाधर तिलक और 'पाल' थे बिपिन चन्द्र पाल, इन सभी महान क्रांतिकारियों के नाम भारतीय स्वाधीनता संग्राम आंदोलन के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं। इस तिकड़ी के बिपिन चन्द्र पाल को एक राष्ट्रवादी दिव्यद्रष्टा नेता होने के साथ-साथ, क्रांतिकारी, समाज-सुधारक, शिक्षक, निर्भीक पत्रकार, उच्च कोटि का लेखक व कुशल वक्ता माना जाता था। बिपिन चन्द्र पाल ने अपना सम्पूर्ण जीवन माँ भारती की सेवा में समर्पित कर दिया था, वो देश की आजादी के लिए समर्पित एक महान क्रांतिकारी योद्धा थे।

बिपिन चंद्र पाल अपने सशक्त प्रयासों से देश में अंग्रेजी हुकुमत की चूलें हिला देने का कार्य किया था, उनको देश में क्रांतिकारी विचारों का जनक माना जाता था, वो देश में स्वदेशी आंदोलन के सूत्राधार व उसके अग्रणी महानायकों में से एक थे। क्रांतिकारी बिपिन चन्द्र पाल देश की उन महान विभूतियों में शामिल हैं जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की मजबूत बुनियाद रखने में अपनी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बिपिन चन्द्र पाल जी का जन्म 7 नवंबर 1858 में बंगाल के एक धनवान जमींदार कायस्थ हिन्दू परिवार में हुआ था। इनका जन्म स्थान अविभाजित भारत के हबीबगंज जनपद के सिलहट के पोइल गाँव में हुआ था, वर्तमान में इस जनपद का कुछ भाग बांग्लादेश एवं कुछ भाग असम में आता हैं। इनके पिता रामचन्द्र पाल फारसी के विद्वान थे और इनकी माता नारायणी देवी थी। बिपिन चन्द्र पाल की प्रारम्भिक शिक्षा एक मौलवी के सानिध्य में हुई थी, बाद में उन्होंने सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज कलकत्ता में अध्यन किया था, लेकिन कुछ कारणों की वजह से उनको पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी, वह वर्ष 1879 में एक विद्यालय मे पढ़ाने का कार्य करने लगे, उन्होंने कोलकाता में पुस्तकालय में भी काम किया था। वह एक बहुत ही विद्वान व्यक्ति थे उन्हें पढ़ने व लिखने का बहुत शौक था, उन्होंने गीता, उपनिषद आदि ग्रन्थों का अध्ययन किया था। उन्होंने अपने जीवनकाल में कलमकार के रूप में लेखन व संपादन का बहुत कार्य किया था। उनकी कुछ प्रमुख रचनाएं इस प्रकार हैं - इंडियन नेस्नलिज्म, नैस्नल्टी एंड एम्पायर, स्वराज एंड द प्रेजेंट सिचुएशन, द बेसिस ऑफ रिफार्म, द सोल ऑफ इंडिया, द न्यू स्पिरिट, स्टडीज इन हिन्दुइस्म, क्वीन विक्टोरिया आदि का लेखन किया था। उन्होंने अपने जीवन में एक पत्रकार व संपादक के रूप में बहुत कार्य किया था। उन्होंने सिलहट से निकलने वाले 'परिदर्शक' नामक साप्ताहिक में कार्य आरम्भ किया। उनके द्वारा संपादित कुछ प्रमुख पत्रिकाएं इस प्रकार हैं - परिदर्शक, बंगाल पब्लिक ओपिनियन, लाहौर ट्रिब्यून, द न्यू इंडिया, द इंडिपेंडेंट इंडिया, बन्देमातरम, स्वराज, द हिन्दू रिव्यु, द डैमोक्रैट, बंगाली आदि थी।

बिपिन चन्द्र पाल बहुत ही छोटी आयु में ही ब्रह्म समाज में शामिल हो गए थे और समाज के अन्य सदस्यों की भाँति वो भी उस समय देश में व्याप्त सामाजिक बुराइयों, जातिवाद और रुढ़िवादी परंपराओं का खुलकर विरोध करने लगे। उनका विरोध केवल शब्दों तक ही सीमित नहीं था, अपितु उनके आचरण में भी यह स्पष्ट रूप से साफ दिखाई देता था। उन्होंने बहुत ही छोटी उम्र में देश में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव के खिलाफ दमदार ढंग से आवाज उठायी और अपने से ऊंची जाति वाली एक विधवा महिला से विवाह किया था, हालांकि उनके परिवार ने इस विवाह का बहुत अधिक विरोध किया था, लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी को मान-सम्मान दिलाने और अपने विचारों को मान देने की खातिर अपने परिवार तक को भी त्याग दिया था। बिपिन चन्द्र पाल अपनी धुन के बहुत पक्के थे, इसलिए उन्होंने बहुत अधिक पारिवारिक और सामाजिक दबाओं के बावजूद भी कोई समझौता नहीं किया था।

महान क्रांतिकारी बिपिन चन्द्र पाल ने 1905 के बंगाल विभाजन के विरोध में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ चलने वाले आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान दिया था, उन्होंने अंग्रेजों की सत्ता को हिला दिया था, इस आंदोलन को उस समय जन समुदाय का बहुत बड़े पैमाने पर व्यापक समर्थन मिला था। बिपिन चंद्र पाल 1886 में कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने देश में स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की नीति को अपनाकर आजादी की लड़ाई के नयी धार देने का काम किया था। अंग्रेजों की औपनिवेशिकवाद नीति के खिलाफ पहले लोकप्रिय जनांदोलन को शुरू करने का श्रेय इन्हीं तीनों की महान तिकड़ी को ही जाता है। इन लोगों ने ब्रिटिश शासकों तक भारत की जनता व अपना सन्देश पहुंचाने के लिए विरोध के बेहद कठोर उपायों को अपनाकर अंग्रेजी शासकों को सबक सिखाने का काम किया था, उस समय लाल-बाल-पाल की महान तिकड़ी ने महसूस किया था कि भारत में बिकने वाले विदेशी उत्पादों से देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और भारत के लोगों का काम भी छिन रहा है। अपने 'गरम' विचारों के लिए मशहूर बिपिन चाल ने लाला लाजपतराय व बाल गंगाधर तिलक के साथ मिलकर, देश में स्वदेशी आन्दोलन को भरपूर बढ़ावा दिया और ब्रिटेन में तैयार सभी वस्तुओं का बहिष्कार भारतीयों से करवाया, उन्होंने मैनचेस्टर की मिलों में बने कपड़ों से परहेज करने के लिए देश के लोगों को प्रेरित किया, विदेशी कपड़ों की सार्वजनिक रूप से होली जलवायी और औद्योगिक तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में हड़ताल, तालाबंदी आदि के अपने सशक्त हथियारों से ब्रिटिश हुकुमत की नींद उड़ाकर भारत में उनकी सत्ता को हिलाकर अंग्रेजों को जबरदस्त चुनौती दी थी। देश की आजादी के लिए राष्ट्रीय आंदोलन के शुरूआती सालों में गरम दल की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही थी, क्योंकि इनकी भूमिका से देश में आजादी के आंदोलन को एक नई दिशा मिली थी और उनके प्रयासों से देश के लोगों के बीच आजादी प्राप्त करने के लिए जागरुकता बढ़ी।

बिपिन चन्द्र पाल ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान देश की आम जनता में जागरुकता पैदा करने में बहुत अहम भूमिका निभाई थी। उनका मानना था कि नरम दल के हथियार प्रेयर-पीटिशन से देश को स्वराज नहीं मिलने वाला है, बल्कि स्वराज के लिए हमकों विदेशी हुकुमत पर करारा प्रहार करना पड़ेगा। इसी कारण उन्हें देश की आजादी के इतिहास में क्रांतिकारी विचारों का जनक कहा जाता है। उनका भारत पर राज करने वाली अंग्रेजी हुकुमत में बिलकुल भी विश्वास नहीं था और उनका हमेशा मानना था कि विनती और असहयोग जैसे हथियारों से अंग्रेजों जैसी विदेशी ताकत को पराजित नहीं किया जा सकता। इसी कारण उनका महात्मा गाँधी जी के साथ वैचारिक मतभेद था। वो किसी के विचारों से असहमत होने पर वह उस से अपने विचार व्यक्त करने में पीछे नहीं रहते। यहाँ तक कि विचारों से सहमत नहीं होने पर उन्होंने महात्मा गाँधी जी के कुछ विचारों का विरोध भी किया था। उन्होंने क्रांतिकारी पत्रिका बन्दे मातरम की स्थापना भी की थी। आज हम पुण्यतिथि पर देश की आजादी के महानायक बिपिन चन्द्र पाल को कोटि-कोटि नमन करते हुए उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

बस सकारात्मक सोचिए

आज इस कोरोना काल में हम सबने बहुत कुछ देखा और बहुत कुछ सहा भी है। कुछ अच्छे बदलाव जीवन में आये तो कुछ बुरे भी। बुरा ये हुआ कि बहुत सारे लोगों की कमाई के स्रोत छूट गये, कोई परिवार से दूर कहीं अटक गया,सब घरों में बंद हो गये और कोरोना संक्रमण का डर हर मन पर छा गया। हमारे मजदूर भाई पैदल घर जाने को विवश हो गये, बहुत सारे तरक्की पसंद लोग जो इस साल के लिए कुछ गोल सेट कर बैठे थे उनके हाथ में निराशा आई। घरेलू हिंसा बढ़ी। अच्छा ये हुआ कि हमारा जीवन जो केवल एक ही गति से चल रहा था,उसे थोड़ा रुकने का मौका मिला। हमने अपनों के साथ समय बिताया, अपनों को समय दिया,और बचपन के उन आजाद दिनों को याद किया जो वक्त के बहाव में कहीं छूट गये थे। मैं जानती हूं,हम चाहे कितना सोचे कि ये वक्त मुश्किल था और मुश्किलें जीवन का अंग है,पर उन लोगों की तकलीफ़ हम चाह कर भी कम नहीं कर सकते जिन लोगों ने इस कोविड-19 की मार को झेला है। कोरोना से भारत में भी कई मौतें हुई और कोरोना की वजह से बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सब खौफ के साये में आ गये। पर जरूरत यहां अब यह सोचने की और ठान ने की है कि फिर से हम सब बेखौफ कैसे जी पायेंगे और फिर से दुगुनी तेजी से हम अपने सपनों को सच कैसे कर पायेंगे? जितने दिलचस्प ये सबाल है इनके जवाब भी उतने ही आसान है,हम सब फिर से बिना डरे स्वस्थ जीवन जिएंगे बस कुछ सावधानियों और कुछ सुरक्षित बातों को ध्यान में रखते हुए। रही बात सपनों को सच करने की, तो उसके लिए हम धैर्य, संयम और सकारात्मक सोच से काम लेंगे। ज्यादा मेहनत करेंगे अपने दृढ़ संकल्प की शक्ति को बढ़ायेंगे,और जीतकर ही दिखायेंगे। क्योंकि कहते हैं न कि सबकुछ खोने के बाद भी उस उम्मीद को मत खोना, जिसके दम पर आप सबकुछ वापिस हासिल कर सकते हो।

जय हिन्द जय भारत
अंकिता जैन अवनी
लेखिका/कवयित्री
अशोकनगर मप्र

पिता जी याद बहुत हैं आते

चित्र पुराने,पेन डायरी,देख के आँसू हैं आ जाते।
पिता जी याद बहुत हैं आते ।
उँगली पकड़ इन्हीं राहों में,चलना मुझे सिखाया।
उनके रहते कभी किसी को कष्ट नहीं छू पाया।
जब तक घर में रहे पिता जी,खुशियाँ नर्तन करतीं थीं।
हास और उल्लास उमंगें,जैसे हँसती खिलती थीं।
कल्पवृक्ष थे सदा पिता जी,जो चाहा वह हम सब पाते।
पिताजी याद बहुत हैं आते।
कभी सोचता पिछली बातें,आज समझ में मेरे आती।
कितने दुख अभाव चिंतायें,पर चेहरे पर सिकन न आती।
नम आँखों के अश्रु पुष्प ये,करते शुभ चरणों में अर्पित।
जो कुछ है सब देन आपकी, सब कुछ श्रद्धा सहित समर्पित।
चले गये तुम जल्दी जग से, कुछ दिन और जरा रुक जाते।
पिताजी याद बहुत हैं आते।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता-हिन्दी
अशोक उ0मी0विदंयालय,
लहार,भिण्ड(म0प्र0)
मो0-9993282741

मैं हिंदू हूं

मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं विश्व पटल पर सिंधु हूं
मैं हिंदू हूं
मैं राम हूं मैं श्याम हूं
मैं विश्व का अभिमान हूं
मैं परशुराम का परसु हूं
अर्जुन का धनुष महान हूं
मैं काल के कपाल पर
महाकाल का वरदान हूं
श्री कृष्ण के उपदेश का
मैं भागवत का सार हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं ध्रुव के जैसी भक्ति हूं
पहलाद की जैसी शक्ति हूं
प्राण छिन्न हो जाने पर
मैं मरघट जैसी मुक्ति हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं गंगा निर्मल पानी हूं
मैं बाबा बर्फानी हूं
ऊंचे पर्वत सघन गुफा में
मैं माता वैष्णो रानी हूं
मैं रामायण मैं महाभारत
मैं रावण जैसा ज्ञान हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं राजपूताना पूत हूं
मराठा वीर सपूत हूं
मैं जोहर हूं मां पद्मा का
मैं छत्रसाल की जीत हूं
मैं रण में राणा,चौहान तीर सा
युद्ध भूमि का मीत हूं
मैं लक्ष्मीबाई मर्दानी सा
आजादी का गीत हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं आजाद चंद्र की पिस्टल
और गोली की वो आवाज हूं
बुद्धि विवेक चातुर्य निपुण
मैं चाणक्य का अभिज्ञान हूं
मैं अखंड हूं अभिरूप हूं
मैं विश्व शांति दूत हूं
ना आदि अनादि अंत है मेरा
मैं काल प्रश्न पर बिंदु हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं
मैं हिंदू हूं मैं हिंदू हूं

पं. आशीष देवेन्द्र पाठक

नक्शे से कूटनीति या राजनीति

राजतंत्र के जमाने में नेपाल में एक तंजतारी चलती थी, 'मुखे कानून छ' यानी जो मुंह से निकल गया, वही कानून है। 28 मई, 2008 को राजशाही खत्म कर नेपाल में लोकशाही की घोषणा कर दी गई, मगर शासन का ढब वहां बदला नहीं। विगत बुधवार को सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बयान दिया था कि नेपाल भी नक्शा जारी करेगा। उनके इस बयान के पांच दिन बाद सोमवार को नए नेपाल का राजनीतिक नक्शा मंत्रिपरिषद ने जारी भी कर दिया। जो काम पिछले 26 साल में नहीं हो सका था, प्रधानमंत्री ओली ने पांच दिन में कर दिया? इस नए राजनीतिक नक्शे में लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी से लगे भारतीय इलाकों को भी नेपाल का हिस्सा बता दिया गया है। नए नक्शे में गुंजी, नाभी और कुटी जैसे गांवों को भी नेपाली इलाके में दिखाया गया है। यह दीगर है कि 1975 में नेपाल ने जो नक्शा जारी किया था, उसमें लिंपियाधुरा के 335 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र नहीं दर्शाए गए थे। मंगलवार 19 मई, 2020 से यह नेपाली संविधान की अनुसूची, सरकारी निशान और उसके पाठ्यक्रम का हिस्सा हो गया। सवाल यह है कि क्या इस नए नक्शे को हेग स्थित 'आईसीजे' या दुनिया की कोई भी न्यायपालिका मान लेगी? ब्रिटिश भारत में 1798 से लेकर 1947 तक जो नक्शे समय-समय पर जारी किए गए, उन पर नेपाल को कोई आपत्ति नहीं थी। प्रोफेसर लोकराज बराल 1996 में नई दिल्ली में नेपाल के राजदूत रह चुके थे। पिछले हफ्ते एक बातचीत में उन्होंने माना कि नेपाल उस दौर में भी ब्रिटिश इंडिया के नक्शे पर आश्रित था। भारत-नेपाल संयुक्त प्राविधिक समिति ने 26 वर्षों का समय लगाकर 182 स्ट्रीप मैप के साथ 98 प्रतिशत रेखांकन का कार्य संपन्न किया है। इसमें दो फीसदी कार्य कई वर्षों से बाकी है। इस पर भारतीय पक्ष की मुहर भी नहीं लगी है। नया विवाद 2 नवंबर, 2019 को शुरू हुआ, जब भारत ने कश्मीर-लद्दाख को लेकर नक्शा पुनर्प्रकाशित किया था। उसमें पड़ोसी मुल्कों को बांटती सीमाओं में कोई रद्दो-बदल नहीं हुआ था, पर भारतीय विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बावजूद नेपाल मानने को तैयार नहीं था। वह विदेश सचिव स्तर पर इसे सुलझाना चाहता था। नए विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंखला 29 जनवरी, 2020 को चार्ज लेने के साथ नेपाल से इस विषय पर संवाद करते, यह संभव नहीं था। उसके अगले पखवाड़े इसकी तैयारी हो, तब तक कोरोना महामारी प्रारंभ हो चुकी थी। प्रश्न यह है कि यदि लिपुलेख मुद्दा ओली सरकार के लिए इतना ही महत्वपूर्ण था, तो 28 मार्च, 2019 को विदेश सचिव स्तर की बैठक में इसे शामिल क्यों नहीं किया गया? काठमांडू में आहूत उस बैठक में तत्कालीन भारतीय विदेश सचिव विजय कृष्ण गोखले व उनके नेपाली समकक्ष शंकरलाल वैरागी क्रॉस बॉर्डर रेलवे, मोतिहारी-अमलेखगंज तेल पाइपलाइन व अरुण-तीन जल विद्युत परियोजना पर सहमति बना रहे थे। दो-तीन बातें ध्यान में रखने की हैं। 1962 में युद्ध के समय से ही यहां पर इंडो-तिब्बतन फोर्स की तैनाती भारत ने कर रखी है। नेपाल इसे हटाने की मांग कई बार कर चुका है। कायदे से नेपाल को ऐसा कोई पत्र दिखाना चाहिए, जिसमें तत्कालीन भारत सरकार ने लिपुलेख ट्राइजंक्शन पर इंडो-तिब्बतन फोर्स की तैनाती का कोई अनुरोध किया था। सितंबर 1961 में जब कालापानी विवाद उठा था, उससे काफी पहले 29 अप्रैल, 1954 को भारत-चीन के बीच शिप्ला-लिपुलेख दर्रे के रास्ते व्यापार समझौता हो चुका था। सन 1954 से लेकर 2015 तक चीन ने कभी नहीं माना कि लिपुलेख वाले हिस्से में, जहां से उसे भारत से व्यापार करना था, नेपाल भी एक पार्टी है या यह 'ट्राइजंक्शन' है। 2002 में एक ज्वॉइंट टेक्नीकल कमेटी भी बनी। उन दिनों नेपाल की कोशिश थी कि चीन को इसमें शामिल करें। चीनी विदेश मंत्रालय ने 10 मई, 2005 को एक प्रेस रिलीज द्वारा स्पष्ट किया कि कालापानी भारत और नेपाल के बीच का मामला है, इसे इन दोनों को ही सुलझाना है। नेपाल, 1950 की संधि को भी ध्यान से नहीं देखता है।

कंगना रनौत ने लिखी एक कविता, लोगों को आई पसंद

कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से इस वक्त हर कोई अपनी फैमिली के साथ घर पर क्वारंटाइन है । इसी दौरान सब घर मे बैठ कर अपने -अपने पसंद का काम कर रहे है । चाहे आम हो या खास सभी खुद को वक्त दे रहे हैं। वहीं बॉलीवुड सितारें भी अपने खाली समय को जमकर यूटिलाइज कर रहे हैं। ऐसे में सोशल मीडिया एकमात्र ऐसा जरिया है जिससे स्टार्स अपने फैंस से जुड़े हुए हैं ,और अपने बारे में लेटेस्ट अपडेट उनसे शेयर कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है। उन्होनें एक कविता लिखी है, इसे कंगना कि टीम ने इंस्टा पर शेयर किया है। वीडियो में आसमान कि झलक दिखाई गई है साथ ही कंगना कि पिक्चर्स भी नजर आ रही है। इस कविता को कंगना ने अपनी आवाज में रिकॉर्ड किया हैं। वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, एक कलाकर के दिल से निकली अवाज में कविता , कल आसमान पहुंचना है। इस कविता कि वीडियो आज रिलीज की जाएगी। बता दे कि कंगना को कविता लिखना बहुत पसंद है। उन्हें जब भी मौका मिलता है वो कुछ ना कुछ लिखती है अभी उन्होनें मदर्स डे के मौके पर भी एक कविता सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया गया। वही कंगना इन दिनों अपनी फैमिली के साथ मनाली में टाइम स्पेंड कर रही हैं।और इस दौरान वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने हॉस्टल के दिनों की कुछ पिक्चर्स अपने फैंस के साथ शेयर की थी। जिसे भी सबने खुब पसंद किया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना हाल ही में फिल्म पंगा में नजर आई थीं। इसमें उनके काम को बहुत पसंद किया गया। इसके अलावा कंगना थलाइवी और धाकड़ जैसी फिल्मों में नजर आएंगी ।

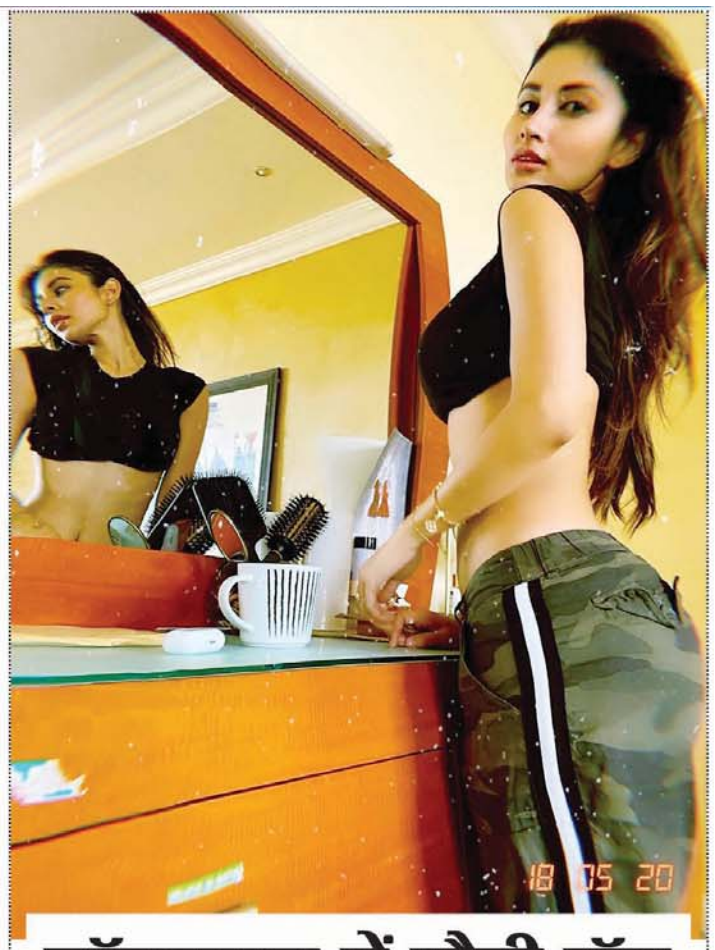

लॉकडाउन में मौनी रॉय की फिटनेस का जलवा

लॉकडाउन के चलते बॉलीवुड सेलेब्स अपने-अपने घरों में कैद हो गए हैं। कई सेलेब्स घर पर परिवार के साथ हैं तो कई परिवार से दूर अकेले रह रहे हैं। कुछ ऐसा ही हाल है टीवी से बॉलीवुड में सफर करने वाली एक्ट्रेस मौनी राय की। मौनी अपनी फैमली से दूर दुबई में हैं।

हाल ही में मौनी रॉय ने अपने इस्टग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर की है जिसमें वो अपनी फिटनेस को दिखा रही हैं। इस तस्वीरों में मौनी रॉय का जीरो फिगर साफ नजर आ रहा है। तस्वीरों में मौनी काफी खुश भी नजर आ रही हैं। मौनी ने तस्वीरों के शेयर करते हुए लिखा, जी. आइ. जेन। मौनी की इन तस्वीरों को उनके फैन्स भी काफी पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों को दो लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। मौनी घर में काफी बोर हो रही हैं। इस बात का जिक्र वह अपनी कई इंस्टाग्राम पोस्ट में भी कर चुकी हैं। मौनी ऐसे में अपनी कई पुरानी तस्वीरें शेयर कर पुराने वक्त को याद करती हैं। आपको बता दें कि इनदिनों मौनी रॉय दुबई में मौनी की बहन के पास हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही मौनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ वीडियोज शेयर किया था जिसमें वो अपने नेफ्यू के साथ मस्ती करती दिख रही थी। मौनी रॉय पिछली बार फिल्म मेड इन चाइना में नजर आई थीं। इसमें वह राजकुमार की पत्नी के रोल में थीं। वहीं उनकी अगली फिल्म का नाम ब्रह्मास्त्र में हैं। फिल्म में वह रणबीर कपूर, अमिताभ बच्चन और आलिया भट्ट के साथ काम करती नजर आएंगी। ये फिल्म इस साल 4 दिसंबर को रिलीज होनी थी हालांकि कोरोना वायरस महामारी के चलते इस फिल्म की रिलीज डेट आगे भी खिसक सकती है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड में आने से पहले वॉचमैन थे

नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपना 46वां जन्मदिन मनाया। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर के छोटे से गांव बुढाना में साल 1974 में नवाजुद्दीन सिद्दिकी का जन्म हुआ। उनके पिता किसान हैं। उनके सात भाई और दो बहनें हैं। नवाजुद्दीन ने गुरूकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार, उतराखंड से विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की जिसके बाद वे केमिस्ट के तौर पर एक पेट्रोकेमिकल कंपनी में काम करने लगे।

उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से थियेटर में अपना स्नातक पूरा किया है। नवाजुद्दीन ने दो शादी की है। दूसरी शादी आलिया से 11 साल पहले की थी। साल 2009 में दोनों ने लव मैरिज कर ली थी, जिसके बाद अंजना उर्फ अंजलि ने अपना नाम बदलकर आलिया कर लिया था। हालांकि आज बॉलीवुड के जिस शिर्ष पर नवाजुद्दीन बैठे हैं वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने भारी संघर्ष किया है। एनएसडी से निकलने के बाद नवाजुद्दीन पहुंच गए मुंबई। नवाजुद्दीन सिद्दिकी के लिए मुंबई में स्टूगल करना आसान नहीं था, पैंसो की भारी तंगी के चलते उन्हें वॉचमैन की नौकरी करनी पड़ी। कमाने के साथ-साथ नवाजुद्दीन बॉलीवुड में अपने करियर की तलाश करने लगे। नवाजुद्दीन अपने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा कर चुके हैं कि फिल्मों में आने से पहले वो बतौर वॉचमैन नौकरी कर चुके हैं जिसका उन्हें कोई मलाल नहीं है। उनके करियर की शुरूआत शूल और सरफरोश जैसी फिल्मों से हुई थी लेकिन इन फिल्मों में उनका किरदार काफी कम समय के लिए था। इसके बाद उन्होंने कई छोटी-बड़ी फिल्मों में काम किया उनके काम को हर तरफ से काफी सराहा गया लेकिन असली पहचान उन्हें पीपली लाइव, कहानी, गैंग्स ऑफ वासेपुर, द लंच बॉक्स जैसी फिल्मों से ही मिली। लगातार संघर्षों के बाद अब वह एक सफल अभिनेता बन चुके हैं। और कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। नवाजुद्दीन की कुछ बेहतरीन फिल्में कहानी, बॉम्बे टॉकीज, किक, मांझी द माउंटेनमैन, रईस, मंटो, ठाकरे, और फोटोग्राफ हैं। फिल्म लंचबॉक्स के लिये बेस्ट सपोर्टिंग ऐक्टर के पुरस्कार के साथ ही फिल्म तलाश, कहानी, गैंग्स ऑफ वासेपुर और देख इंडियन सरकस के लिये उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें आईआईएफए अवार्डस, स्क्रीन अवार्ड्स, जी सिने अवार्डस, रेनॉल्ट स्टार गिल्ड अवार्डस और एशिया पैशिफिक स्क्रीन अवार्ड्स से भी सम्मानित किया जा चुका है।

फैजल के वीडियो पर भड़कीं सोना सलमान खान को भी लपेटा

टिकटॉक स्टार फैजल सिद्दीकी इस वक्त एक विवाद में बुरी तरह फंस गए हैं। फैजल पर टिकटॉक वीडियो के जरिए एसिड अटैक को बढ़ावा देने का आरोप लगा है। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद उनपर एक्शन भी ले लिया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए इसपर संज्ञान लेने के लिए कहा है। इन सबके बाद अब सोना मोहापात्रा भी फैजल पर जमकर भड़की हैं। बॉलीवुड सिंगर सोना मोहापात्रा हमेशा अपने बेबाक बोलने लिए चर्चा में रहती हैं। इंडस्ट्री में किसी के भी बारे में बोलने से पहले वो बिल्कुल नहीं डरतीं। अब उन्होंने फैजल को लताड़ लगाई है। इसी के साथ सलमान खान को भी लपेटा है। सोना ने अपने ट्वीट में तंजिला अनिस नाम की एक महिला को टैग करते हुए लिखा, इस शादी के वीडियो के आगे और पीछे कुछ नहीं है, डीयर तंजिला अनिस आप इस शख्स का बचाव कर रही थीं। महिलाओं का अपमान करना हमारी संस्कति में आम बात है। हम सलमान खान की कहानी के साथ बड़े हुए हैं जहां उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के सिर पर सबके सामने बोतल तोड़ दी थी। वो तब भी देश के सबसे बड़े स्टार है? इसे रोकने के जरूरत है।

दरअसल, फैजल ने टिक टॉक पर एक वीडियो बनाया जिसमें वो एक गाने पर एक लिप्सिंग कर रहे हैं। इसमें फैजल कहते हैं उसने तुझे छोड़ दिया, जिसके लिए तुने मुझे छोड़ था। इसके बाद फैजल कुछ लिक्विड लड़की के ऊपर फेंकते हैं। लिक्विड फेंकते ही लड़की के चेहरे की रंगत बदल जाती है, ऐसा लगता है कि जैसे चेहरा जल गया हो। वीडियो वायरल होने के बाद इसका काफी विरोध किया जा रहा है और फैजल पर एसिड अटैक प्रमोट करने का आरोप लगाया जा रहा है। फैजल सिद्दीकी ने इस मामले में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि सोशल मीडिया पर पूरा वीडियो नहीं डाला गया है। वो एसिड अटैक को प्रमोट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि मैं अपनी वीडियो का पहला पार्ट डाल रहा हूं, जिसमें आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि मैं पानी पी रहा हूं। प्लीज समझने की कोशिश करिए। एसिड कौन पीता है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने दिहाड़ी मजदूरों के सपोर्ट में आवाज उठाई है, साथ ही सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशनऔर प्रोड्यूसर्स से अपील की है, कि वो जल्द से जल्द इन लोगों की मदद करें। कृति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो में काम करने वाले एक क्रू मेंबर का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपनी मुश्किलों के बारे में बता रहा है।

कृति सैनन ने सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन से की अपील

दिहाड़ी मजदूरों को उनका बकाया पैसा दे प्रोड्यूसर्स

दुनियाभर में कहर बरसा रहे कोरोनावायरस की वजह से लोगों को हर रोज नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देश में लॉकडाउन का चौथा चरण शुरू कर दिया गया है, हांलाकि सम्पूर्ण देश को 5 जोन में बांटकर इस लॉकडाउन में कुछ छूट जरुर दी गई है। लेकिन मुंबई की परेशानी जस की तस बनी हुई है। कोरोना वायरस ने मुंबई शहर को बुरी तरह से अपने लपेटे में ले लिया है, इसी वजह से मुंबई शहर को कोई रियायत नहीं दी गई है। जिसका सीधा असर फिल्मों और डेली सीरियल्स में काम करने वाले हजारों दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ा है। हाल ही में खबर आई थी, कि जीटीवी पर प्रसारित हुए सीरियल हमारी बहू सिल्क के कास्ट और क्रू को अभी तक उनका बकाया भुगतान नहीं मिला है। जिसके खिलाफ शो में काम करने वाले एक्टर्स और दिहाड़ी मजदूरों ने आवाज भी उठाई थी। कोरोना काल में सभी को भयंकर आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ रहा है। शो में काम करने वाले सभी कलाकारों और क्रू के सदस्यों ने शो के प्रोड्यूसर्स से अपील की थी, कि उन्हें बकाया राशि जल्द से जल्द लौटाई जाए, ताकि संकट की इसी घड़ी में वो अपना गुजारा कर पाएं। और अब ये मामला तूल पकड़ता जा रहा है, बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने दिहाड़ी मजदूरों के सपोर्ट में आवाज उठाई है, साथ ही सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशनऔर प्रोड्यूसर्स से अपील की है, कि वो जल्द से जल्द इन लोगों की मदद करें। कृति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो में काम करने वाले एक क्रू मेंबर का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपनी मुश्किलों के बारे में बता रहा है। इसके साथ ही कृति ने बेहद इमोशनल पोस्ट भी लिखा है। उन्होने लिखा है यह भयानक है। ये सिर्फ एक घटना है जिसके बारे में मैं जानती हूं, क्योंकि मेरे दोस्त ने डेली सोप हमारी बहू सिल्क में काम किया है। लेकिन मेरा दिल ये देखकर टूट गया है कि कितने लोग इस पीड़ा से गुजर रहे हैं, जिन्हें उनके पैसों को भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। ये वो वक्त है जब दिहाड़ी मजदूरों और कलाकारों को उनकी मेहनत की कमाई की सबसे ज्यादा जरूरत है। मैं इस मामले से संबंधित प्रोड्यूसर्स से अपील करती हूं कि प्लीज सभी की बाकाया राशि का भुगतान कर दीजिए। इन्होने इसके लिए बहुत मेहनत की है, और ये उनका हक है। इसके साथ ही कृति ने अपने नोट में सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन ऑफिशियल्स को टैग करते हुए लिखा है कि प्लीज इनकी मदद करें। आपको बता दें कि सीरियल हमारी बहू सिल्क मार्च 2019 में जीटीवी पर प्रसारित किया गया था। लेकिन अचानकर 6 महीने बाद इस सीरियल को बंद कर दिया गया, वो भी कास्ट और क्रू की पूरी पेमेंट किए बिना। हाल ही में शो में काम करने वाले सभी एक्टर्स ने सोशल मीडिया के जरिए अपने साथ हुए इस धोखे के खिलाफ आवाज उठाई थी। कुछ ने तो आत्महत्या तक करने की धमकी दे दी थी। शो में काम करने वाली एक्ट्रेस चाहत पांडे के दोस्त और को-एक्टर जान खान ने बताया था कि आर्थिक तंगी से परेशाना चाहत पांडे ने आत्महत्या तक करने की कोशिश की थी। लेकिन चाहत की मम्मी ने वक्त रहते उन्हें बचा लिया था। और अब कृति सेनन ने भी सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन से दिहाड़ी मजदूरों और कलाकारों की मदद की अपील की है। देखना ये होगा कि सीने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन हमारी बहू सिल्क के प्रोड्यूसर्स के खिलाफ क्या एक्शन लेगा।

फिल्मी कतरन

करिश्मा ने बनाया चॉकलेट केक, करीना ने कहा- मेरी बहन बेस्ट है

लॉकडाउन में सितारे घर पर ही वक्त बिता रहे हैं। ऐसे में वो परिवार के साथ कभी खाना बना रहे हैं तो कभी घर के बाकी काम करते नजर आ रहे हैं। इस लिस्ट में अभिनेत्री करिश्मा कपूर का नाम भी जुड़ गया है। हाल ही में करिश्मा कपूर ने करीना और उनकी फैमिली के लिए केक बनाया जिसे करीना ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, दुनिया के बेस्ट चॉकलेट केक का लुत्फ उठा रही हूं जिसे दुनिया की बेस्ट बहन ने बनाया है। और हां वे पीछे मिस्टर खान बैठे हैं। जूम इन कर के उन्हें देखा जा सकता है। वही करिश्मा कपूर ने भी करीना के पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, मैं खुश हूं कि लॉकडाउन का बेहतर उपयोग कर पा रही हूं और अपने परिवार और दोस्तों के लिए बेक कर पा रही हूं। इससे पहले भी करिश्मा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की थी जिसमें करिश्मा ने बताया था कि उन्होंने बेटी समायरा को मेकअप ट्यूटोरियल दिया लेकिन उनके एक आंख पर आईलाइनर नहीं लगा हुआ है। दूसरी तस्वीर में करिश्मा ने अपने हाथ से एक आंख छुपा रखी है जिसमें उन्होंने आईलाइनर नहीं लगाया है। करिश्मा ने कैप्शन दिया कि लॉकडाउन डायरीज, चलिए थोड़ा मजाकिया अंदाज जोड़ते हैं।

प्रेगनेंसी में कैटी पेरी को इंडियन फूड खाने का मन हो रहा है

35 साल की मशहूर पॉप सिंगर कैटी पेरी प्रग्नेंट हैं। हाल ही में उनका नया गाना डेसिस रिलीज हुआ है जिसमें वो प्रग्नेंट नजर आ रही हैं। हाल ही में फेसबुक लाइव के दौरान कैटी पेरी ने अपनी प्रेगनेंसी को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि- प्रेगनेंसी में शुरू के समय मुझे इंडियन फूड की काफी क्रेविंग होती थी। मेरा मन होता था कि कहीं से भी मुझे इंडियन फूड मिल जाए। साथ ही कैटी पेरी ने बताया कि हर प्रेगनेंट महिला को खाने की काफी क्रेविंग होती है। बता दे कि कैटी पेरी अपने एक्टर पति ओरलाडो ब्लूम से पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। पेरी के लिए उनके पति ब्लूम से यह पहला बच्चा होगा। 43 साल के ब्लूम पहले से अपने 9 साल के बेटे फ्लैन के पिता है, जो इस समय उनकी पूर्व पत्नी मिरांडा केर के साथ हैं। अपने एलबम पर चर्चा करते हुए पेरी ने कहा कि , ह्वइस गर्मी में बहुत कुछ होने वाला है, मैं सिर्फ अपने बच्चे को जन्म ही नहीं देने जा रही, बल्कि आप लोग जिसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं वह सच होने वाला है ह्व उन्होंने आगे बताया कि वह और उनके पति अपने आने वाले बच्चे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कृष्णा श्रॉफ ने अपने डॉगी के साथ शेयर की फोटो

टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ और बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। दिशा, टाइगर की तो अच्छी दोस्त हैं ही साथी ही वो कृष्णा की भी काफी अच्छी दोस्त हैं। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर एक दूसरे फोटो पर कमेंट करती रहती हैं। हाल ही में कृष्णा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वो अपने पपी के साथ नजर आ रही हैं। कृष्णा के इस फोटो पर भी दिशा ने कमेंट किया है और उनकी फिटनेस की तारीफ की है। वैसे तो कृष्णा की बिकनी फोटोज सोशल मीडिया परा छाई रहती हैं, लेकिन अभी कृष्णा ने जो फोटो शेयर की है उसमें वो स्पोर्ट्स ब्रा और ट्रेग पैंट में दिख रही हैं। इस फोटो में कृष्णा ने अपनी गोद में पपी को उठा रखा जिसे वो बड़े प्यार से खिला रही हैं। कृष्णा के इस फोटो पर दिशा ने भी कमेंट किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, बहुत क्यूट.. और तुम्हारे कोर । इस कमेंट के साथ दिशा ने फायर इमोजी बनाई है।

आमिर खान और किरण राव के 'पानी फाउंडेशन' को एंड्रयू मिलिसन द्वारा पर्माकल्चर प्रोजेक्ट के रूप में किया गया वर्णित

एंड्रयू मिलिसन, एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय अनुज्ञेय डिजाइनर और ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने हाल ही में आमिर खान और किरण राव की पानी फाउंडेशन पर अपने यूट्यूब चैनल पर एक एपिसोड जारी किया है। एंड्रयू ने वाटरशेड प्रबंधन पर किए गए काम को समझने के लिए महाराष्ट्र के एक गाँव का दौरा किया था। पानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित वाटर कप प्रतियोगिता की बदौलत ग्रामीणों ने जो काम किया है, उससे वह पूरी तरह से अचंभित थे और उन्होंने इसे इस पृथ्वी पर सबसे बड़े पर्माकल्चर प्रोजेक्ट के रूप में वर्णित किया है। यहां तक कि उन्होंने इस पर एक शार्ट फिल्म भी बनाई है और इसे अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है। पानी फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सक्रिय रूप से स्थायी पर्यावरण के लिए काम करता है। यह महाराष्ट्र राज्य में सूखे की रोकथाम और जल प्रबंधन के क्षेत्रों में काम करता है। संगठन की स्थापना आमिर खान, किरण राव, रीना दत्ता और सत्यजित भटकल ने की है। पानी फाउंडेशन का उद्देश्य, राज्य भर के कई गांवों में जलापूर्ति बहाल करना है। पर्माकल्चर स्थिरता और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों का विकास है।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

संभाग
ग्वालियर, गुरुवार, 21 मई 2020

थाना प्रभारी को दिए मासूम ने रुपये, बोला मोदी जी के पास पहुंच देना

अपने सपने तोड़कर मासूम प्रवीण ने कोरोना के चलते पीएम फंड में जमा की राशि

लहार(अर्पित गुप्ता)
कोरोना की महामारी से पूरा देश जूझ रहा है ऐसे में बच्चों को भी उसके हानिकारण प्रभाव पता है जिसके चलते बच्चे भी गरीबो की मदद में अपनी हिस्सेदारी कर फंड में दान कर एक अलग ही मिशाल कायम करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।यहां बता दें कि भिण्ड जिले के लहार के वार्ड नम्बर 02 निवासी 05 वर्षीय कार्तिक पुरोहित पुत्र प्रवीण पुरोहित ने कोरोना से प्रभावित लोगों की मदद हेतु अपनी गुल्लक में जमा 1350/- रुपये पीएम फण्ड में दान किए और एक नई मिशाल कायम की है।कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच जहां देश/प्रदेश में लॉक डाउन है वहीं गरीबों की मदद के लिए बच्चे आगे आए हैं यह देश के लिए गर्व की बात है।बच्चो की गुल्लक सिर्फ उनकी बचत नहीं,बल्कि उनका एक सपना होती है।कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुए लॉकडाउन में अब जरूरतमंदों की सहायता के लिए बच्चे अपने इस सपने को भी तोड रहे हैं और सरकार को सहायता राशि दे रहे है।यहां बताना मुनासिब होगा कि बुधवार को मासूम कार्तिक पुरोहित का जन्मदिन भी था जिसके चलते उसने अपने जन्मदिन पर यह देशहित में निर्णय लिया।

इनका कहना

मासूम के द्वारा कोरोना वायरस के चलते पीएम फंड में जमा करने के लिए 1350 रुपये की राशि आज मुझे सौंपी गई है। मासूम बच्चे के द्वारा जन्मदिन पर यह देशहित में किया गया प्रयास सराहनीय है।

विजय सिंह तोमर
थाना प्रभारी लहार

अम्बाह एसडीओपी अबनीश बंसल व टीआई शिवसिंह यादव रोजाना पैदल कर रहे फ्लैग मार्च, लोगों को दी समझाइश

केशव प्रसाद शर्मा
अम्बाह... इलाके में कोरोना के मरीज सामने आने के बाद शहर में पुलिस और प्रशासन ने अपनी सक्रियता और बढ़ाई हैं इस दौरान सड़क पर आते जाते लोगो से पुलिस पूछताछ कर व संतुष्ट होने पर ही आने जाने दे रही है खासतौर पर शहर में जगह-जगह जांच कर रहे पुलिस कर्मी गुजरने वालों से मास्क या गमछा लगाकर निकलने की बात कह रहे हैं, ज्ञात रहे कि मास्क या तौलिया को इस महामारी के खिलाफ जंग में काफी अहम माना जा रहा है, बुधवार को प्रशासनिक अमला सुबह ही बाजार में आ गया इस दौरान बाजार में बेवजह निकल रहे लोगों को घर जाने की हिदायत भी दी, अम्बाह एसडीओपी अबनीश बंसल व थाना प्रभारी शिव सिंह यादव ने लोगों को चेतावनी दी अगर जरूरी काम से सड़क पर निकल रहे हो तो चेहरे पर मास्क होना चाहिए अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी ,इस दौरान कई लोग बिना मास्क लगाए सड़क पर निकल आए तब पुलिस ने इन लोगों को रोककर इनकी शर्ट या बनियान उतरवाकर चेहरे पर बांधने को कहा और भविष्य में मास्क लगाकर ही बाजार आने की चेतावनी दी इसी दौरान बेवजह घूम रहे लोगों को दंडित भी किया टी आई शिव सिंह यादव ने लोगों से अपील की सरकारी फैसले जनता के हित में लिए गए हैं अंचल के लोग खुद ही सतर्कता बरतते हुए मास्क का इस्तेमाल करें इसके साथ साथ सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचें अन्यथा नियम अनुसार कड़ी 1000 हजार रूपये से दण्डित कर कार्यवाही की जाएगी।

भौंती कस्बे की अंग्रेजी और देशी शराब दुकान पर उड़ रही शासन के नियमों की धज्जियां

जिले के भौंती कस्बे में शासन के नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे है भौंती के शराब दुकानदार, लॉकडॉउन में सरकार के नियमों को खूंटी पर टांग कर कर रहे है शराब की दुकानदारी

भौंती /पिछोर। सरकार के नियम अनुसार सभी ग्रीन जॉन की दुकानों को सरकार द्वारा सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक ही खोलने का नियम बनाया है । लेकिन भौंती कस्बे की शराब की दुकान यहाँ पर सात बजे मैन शटर बंद करके दुकान बंद कर देते है । तो लगता है कि नियम का पालन कर रहे है ।लेकिन सभी हदे पार तो तब हो जाती है जब वह सात बजे के बाद भी गैलरी से शराब की दुकानदारी करने लग जाते है और इतना ही नही बही शराब को सरकारी रेट के हिसाब से भी 10-20 रुपये ज्यादा यह कहकर ले लेते है कि सात बजे के बाद इतनी ही रेट में मिलेगी शराब। सरकार के सभी नियमों को खूंटी पर टाँगकर सात बजे के बाद रात 9 बजे तक भी शराब की दुकानदारी चालू रखते है जब हमारी टीम 8 बजे बाद वहां से गुजर रही थी तभी ये कालाबाजारी देखने को मिली । जिसमे साफ तौर से आबकारी विभाग की मिली भगत नजर आ रही है। जो कि एक खुला चैलेंज देकर सरकार ओर प्रशासन ठेंगा दिखाते नजर आ रहे है।

भिंड वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष यूनिस खान की पैरालाइसिस अटैक से तबियत बिगड़ी

(अर्पित गुप्ता)
दबोह। कस्बा दबोह के वरिष्ठ समाज सेवी भिंड वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष यूनिस खान की पैरालाइसिस अटैक से 16 मई 2020 से तबियत खराब चल रही है।कॉंग्रेस कमेटी की ओर से यह सूचना पूर्व केविनेट मंत्री डॉ गोविन्द सिंह जी को भेजी गई।जिसके बाद सभी कॉंग्रेस जनों ने यूनिस खान जी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

महावीर नगर वार्ड 11 गरीब परिवार बारो को नहीं मिल रही कोई शासकीय मदद

भिंड महावीर नगर वार्ड 11 के कुछ गरीब परिवार भूखे मरने को मजबूर हैं कुछ नगरपालिका के कर्मचारियों उनको अनदेखा कर रहे हैं सर्वे में भी इनको वंचित रखा गया है इनके पास ना बीपीएल कार्ड है ना ही कोई मजदूरी कार्ड भी नहीं है जिससे इनको कंट्रोल से भी राशन मिले 20/5/2020 को नगर पालिका के पीछे खाना के पैकेट लेने के लिए महिला पुरुष बच्चे सहित आए हुए थे भूखे थे तड़प रहे थे बच्चे महिलाओं में उषा बघेल सुनीता गुर्जर अफसाना नूरजहां रूबी उर्मिला शाक्य नीतू तो वार्ड नंबर 38 आई हुई थी केतिका शाक्य इन लोगों का क्या कहना है कि वार्ड के पार्षद द्वारा हम लोगों को बार-बार छोड़ दिया जाता है ना सर्वे कराया ना हम तक कोई राशन आया नगर पालिका के कर्मचारी भी बोलते हैं कलेक्टर के पास चली जाओ शासन प्रशासन नगर पालिका के सीएमओ से यह लोग मांग करते हैं कि हम लोगों को नगर पालिका से खाना के पैकेट उपलब्ध कराएं जिससे हम अपने बच्चों का पेट भर सके।

आदि शक्ति ब्राह्मण महिला मंडल दतिया मध्य प्रदेश की ओर से जिला अस्पताल में डॉक्टर श्री आर के शर्मा नेत्र विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में मरीजों के लिए रोजमर्रा की जरूरतमंद सामग्री जैसे बिस्किट साबुन तेल पाउडर पेस्ट आदि सामग्री का निशुल्क वितरण किया गया आदिशक्ति ब्राह्मण महिला मंडल की ओर से श्रीमती नीलम उदैनिया और श्रीमती निधि तिवारी ने जाकर जिला अस्पताल के कोविड-19 के कंट्रोल रूम में जाकर रोगियों के लिए सामग्री प्रदान करी

व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कोरोना योद्धायो का माल्यार्पण कर किया सम्मान

दबोह(मोहित गोस्वामी)
दबोह नगर में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते दिन रात जनता की सेवा में लगी पुलिस,नगरीय प्रशासन व राजस्व विभाग का दबोह व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय सिंह गुर्जर के द्वारा माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।कोरोना योद्धाओ का सम्मान करने के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय सिंह गुर्जर ने कहा कि कोरोना के चलते कोरोना योद्धाओ की अहम भूमिका है इसलिए इनका इस सम्मान पर हक बनता है तो वहीं सम्मान पाकर नायब तहसीलदार राजेन्द्र सिंह मौर्य ने कहा कि देश मे फैली महामारी में कोरोना को हराने के लिए सभी समाज सेवियों द्वारा हम सभी कोरोना योद्धाओ का हौशला बढ़ाया जा रहा है।जिसमे समाजसेवियों का सहयोग भी मिल रहा है जल्दी ही हमारी और हमारे देश की जीत होंगी।सम्मानित होने वालो में नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य,उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह चौहान,मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर,राजस्व निरीक्षक मुन्नालाल जमोरिया,पटवारी रामसिंह आदि के नाम शामिल हैं।सम्मान करने वालो में व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय सिंह गुर्जर,अंकित अग्रवाल,अर्पित गुप्ता(भैया),मुबीन खान आदि लोग मौजूद रहे।

छात्रावास अधीक्षक ने मुहल्ले बासियों को पढ़ाया मानवता का पाठ

शिकायत लेकर गए मुहल्ले बासियों को अधीक्षक महोदय ने लगाई फटकार

लहार। शासन प्रशासन चाहे कोरोना के चलते दी जा रही सुविधाओं के कितने भी अच्छे प्रयास करले परन्तु निचले स्तर पर वह सब कागजो में ही देखी जा सकती हैं।मामला लहार नगर के वार्ड नम्बर 14 लहार में हरिजन छात्रावास को शासन द्वारा कोरेंटीन सेंटर बनाया गया है।जिसमें अब्यबस्थाओ का अम्बार लगा हुआ है जिसकी शिकायत मोहल्ले बासी छात्रावास अधीक्षक रवि तिवारी के पास लेकर पहुँचे तो महोदय द्वारा अपनी गलती पर पर्दा डालते हुए मुहल्ले बासियों को मानवता का पाठ पढ़ाया पर मुहल्ले बासियों द्वारा बोला गया कि कोरेंटीन सेंटर में आये बाहरी ब्यक्ति बहार घूमते है लोगो से मिलते जुलते है लोग बहार से खाना मंगबाते है तो महोदय भड़क गए और बोले हमे नौकरी सिखा रहे हो ज्यादा नोटंकी की तो सरकारी बाधा में कायमी करबाकर जेल भिजबा दूंगा आनन फानन में मुहल्ले बासियों द्वारा एस.डी.एम लहार को एक शिकायती आबेदन दिया जिस पर महोदय द्वारा तहसीलदार महोदय से जांच करबाकर कार्यबाही की बोलकर अपना पल्ला झाड़ लिया और इस बारे में जब छात्रावास में रह रहे लोगो से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यहां पंखा एक है तो गर्मी लगती है इसलिए बहार घूमना पड़ता है शौचालय में गंदगी है खाना अच्छा नही मिलता ब्यबस्थाओ के नाम पर केबल खाना पूर्ति की जा रही है अधिकारी कोई आता नही सेनेटाइजर किया नही जाता है।

इनका कहना

यहां रह रहे लोग होटल जैसा खाना मांगते है जो हम उपलब्ध नही करबा सकते हम गुडवत्ता ओर विटामिन युक्त खाना इन्हें उपलब्ध कराते है अगर गंदगी है तो सफाई करबाई जाएगी बैसे नियमित सफाई होती है और मेरे द्वारा किसी से कोई अभद्रता नही की गई ।

रवि तिवारी
अधीक्षक छात्रावास लहार

महावीर नगर वार्ड 11 गरीब परिवार बारो को नहीं मिल रही कोई शासकीय मदद

भिंड महावीर नगर वार्ड 11 के कुछ गरीब परिवार भूखे मरने को मजबूर हैं कुछ नगरपालिका के कर्मचारियों उनको अनदेखा कर रहे हैं सर्वे में भी इनको वंचित रखा गया है इनके पास ना बीपीएल कार्ड है ना ही कोई मजदूरी कार्ड भी नहीं है जिससे इनको कंट्रोल से भी राशन मिले 20/5/2020 को नगर पालिका के पीछे खाना के पैकेट लेने के लिए महिला पुरुष बच्चे सहित आए हुए थे भूखे थे तड़प रहे थे बच्चे महिलाओं में उषा बघेल सुनीता गुर्जर अफसाना नूरजहां रूबी उर्मिला शाक्य नीतू तो वार्ड नंबर 38 आई हुई थी केतिका शाक्य इन लोगों का क्या कहना है कि वार्ड के पार्षद द्वारा हम लोगों को बार-बार छोड़ दिया जाता है ना सर्वे कराया ना हम तक कोई राशन आया नगर पालिका के कर्मचारी भी बोलते हैं कलेक्टर के पास चली जाओ शासन प्रशासन नगर पालिका के सीएमओ से यह लोग मांग करते हैं कि हम लोगों को नगर पालिका से खाना के पैकेट उपलब्ध कराएं जिससे हम अपने बच्चों का पेट भर सके

कोरोना के चलते नप ने जेसीबी से चलाया सफाई अभियान

सीएमओ ने जेसीबी व सफाई कर्मियों से कराई नाले नालियों की सफाई

दबोह(अर्पित गुप्ता)
कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर के द्वारा दबोह की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखते हुए सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत नगर वार्ड नम्बर 01,02,06,07 व 12 में महीनों से जमा हुए कचड़े के ढेर व नाले नालियों की सफाई जेसीबी व नप के सफाई कर्मचारियों के द्वारा कराई गई और वहीं लोगो को समझाइश भी दी गई कि वह अपने घरों के आस पास गन्दगी एकत्रित न होने दें अगर गन्दगी हमारे आसपास रहेगी तो हमे बीमार होने का खतरा बना रहेगा।यहां बताना मुनासिब होगा कि तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुये नप द्वारा लगातार पूर्व में कराया जा चुका है।तो वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने कोरोना वायरस के पेट्रोल पम्प,अस्पताल व नगर को सेनेटाइज चलते अपना नम्बर सार्वजनिक करते हुए कहै कि अगर किसी भी वार्ड में सफाई करने में कोई भी कर्मचारी लापरवाही करता है तो जनता मुझे मेरे फोन नम्बर 9926259220 पर सम्पर्क कर जानकारी दे सकते हैं।

इनका कहना-कोरोना वायरस एक बहुत ही गम्भीर बीमारी है इससे बचाव के लिए सभी लोग शासन के नियमो का पालन करें और मास्क व सेनेटाइजर का उपयोग समय समय पर करें,साथ ही घरो के आसपास गन्दगी एकत्रित न होने दें।

एन आर खेंगर
सीएमओ दबोह नप

ईद का त्यौहार शांति एवं सद्भावना से मनाएं-विजय सिंह तोमर

नियमों का पालन न करने बालो के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

लहार(अर्पित गुप्ता)
लहार थाना परिसर में ईद के त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए बुधवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन थाना परिसर लहार में किया गया।जिसमे नवागत थाना प्रभारी बिजय सिंह तोमर ने उपस्थित लोगो से ईद के त्यौहार को शांति एवं सद्भावना से मनाने की बात कही उन्होंने बताया कि कोरोना कोविड 19 महामारी के चलते शासन के नियमो का पालन करें और इकट्ठे न हो सके तो अपने अपने घरों में रहकर नमाज अदा करे ऐसी स्थिति न करें जिससे नियमों का उल्लंघन हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें।उन्होंने कहा की सार्वजनिक जगह पर अधिक लोग इकट्ठे न हो सोसल डिस्टेंस का पालन करें मास्क लगाएं सेनेटाइजर का उपयोग करे अगर कोई व्यक्ति फालतू घूमता दिखाई देता है तो वह व्यक्ति डायल 100 या सीधा मुझसे सम्पर्क मेरे नम्बर 9926261200 पर जानकारी उपलब्ध करा सकता है और जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।थाना प्रभारी की ठेकेदारों को दी कड़ी हिदायत नवागत थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर ने शांति समिति की बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग अपने आप को समाज के ठेकेदार मानते है बो दूर रहे अगर आप गलत की सिफारिश भी करते है तो आप पर भी कठोर से कठोर कार्यबाही की जाएगी।

शांति समिति में ये रहे प्रमुख रूप से उप स्थित-शांति समिति की बैठक में छक्कू लाल वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष, देवेश महंत बबलू ब्यापार मंडल अध्यक्ष,एन.खान रिटायर्ड प्राचार्य,शाहिद हुसैन,संजीव चौधरी ठेकेदार ,लियाकत खान,मुकेश सोनी,रफीक खान,इनायत खान,नबाब खान पार्षद,सुरेश कुमार,राजू त्रिपाठी,उत्तम चौधरी कक्का,विवेक पाण्डेय,मोनू उपाध्याय आदि जन एवम थाना स्टाफ प्रमुख रूप से मौजूद रहा ।

न्यूज. ब्रीफ

टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वॉलिफायर टूर्नामेंटों की तारीखें तय करें ओलंपिक महासंघ : आईओसी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने सभी अंतरराष्ट्रीय महासंघों से टोक्यो ओलिंपिक के क्वॉलिफायर टूर्नामेंटों की तारीखें तय करने को कहा है। आईओसी ने इसके साथ ही कोरोना महामारी के कारण रद्द किये गये टूर्नामेंटों की संभावनाओं के लिए भी एक योजना बनाने को कहा है। आईओसी ने इससे पहले टोक्यो ओलिंपिक के क्वॉलिफिकेशन समय के लिए 29 जून 2021 की समय सीमा तय की थी। कोरोना महामारी के कारण तोक्यो ओलिंपिक टोक्यो ओलपिक साल 2021 तक के लिए स्थगित किया गया है। आईओसी ने कहा, ह्यअंतरराष्ट्रीय महासंघों के कैलेंडर में व्याप्त संशय को देखते हुए कुछ प्रतियोगिताओं की तारीखों और स्थान पर अब भी फैसला होना बाकी है, इसलिए आप प्रतियोगिताओं की तारीख और स्थल तय होने की जानकारी हमें दें जिससे कि इन्हें जल्द से जल्द क्वॉलिफिकेशन प्रणाली में शामिल किया जा सके। आईओसी ने कहा, ह्यसंशोधित क्वॉलिफिकेशन प्रणाली बनने पर आईओसी के खेल संचालन मैनेजर आपके साथ मिलकर एक आपात योजना पर काम करना जारी रखेंगे जिससे कि ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन प्रतियोगिताओं के नहीं होने की हालत में इसे लागू किया जा सके। आईओसी को उम्मीद है कि यह योजना जुलाई तक तैयार कर ली जाएगी। उन्होंने कहा, ह्यहम चाहते हैं कि जुलाई तक यह योजना तैयार हो जाए और फिर वैश्विक स्थिति के आधार पर इस बात की समीक्षा होगी कि इन आपात योजनाओं को लागू करना जरूरी है या नहीं और इसे व्यक्तिगत क्वॉलिफिकेशन प्रणाली में औपचारिक रूप से शामिल किया जाए या नहीं। आईओसी ने साथ ही यह भी कहा कि वह टोक्यो ओलिंपिक को कम खर्चीले खेल बनाने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है।

इंग्लैंड दौरे के लिए किसी खिलाड़ी पर दबाव नहीं बनाएंगे : होल्डर

लंदन। वेस्ट इंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण खिलाड़ी भी डरे हुए हैं और ऐसे में किसी पर भी इंग्लैंड दौरे के लिए दबाव नहीं डाला जाएगा। वेस्टइंडीज की टीम को पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार जून में इंग्लैंड दौरे पर जाना है पर कोरोना वायरस महामारी के इस सीरीज को स्थगित कर दिया गया था। वहीं अब इंग्लैंड ऐंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इसे जुलाई में आयोजित कर रह है। होल्डर ने कहा, कोई भी कदम उठाने हुए प्रत्येक खिलाड़ी को सहज होना होगा। अगर हमें इंग्लैंड में खेलने जाना है तो ऐसा करना सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, मेरे नजरिए से देखा जाए तो निश्चित तौर पर मैं किसी को भी कहीं भी जाने के लिए बाध्य नहीं करूंगा। होल्डर ने कहा, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने हमें आश्वासन दिया है कि हम तभी इंग्लैंड जाएंगे जब उन्हें लगेगा कि हमारा खेलना सुरक्षित है। होल्डर ने दोहराया कि स्वास्थ्य और सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होगी। वहीं पिछले सप्ताह ही ईसीबी के निदेशक एशले जाइल्स ने कहा था कि उन्हें देश में ऐसा माहौल तैयार करना होगा जिससे दौरा करने वाले खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करें। जाइल्स ने आश्वासन दिया था कि कोई भी फैसला करने से पहले खतरे का पूरी तरह से आंकलन करना होगा।

पुजारा ने पूछा , बाल काट रही पत्नी पर भरोसा करना कितना साहसिक

नई दिल्ली। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा आजकल लॉकडाउन में अपने परिवार के साथ घर में ही हैं। लॉकडाउन के कारण सभी सैलून बंद हैं, ऐसे में पुजारा की पत्नी ने जब उनके बाल काटने की जिम्मेदारी ली तो पुजारा ने इसकी एक तस्वीर प्रशंसकों के साथ भी साझा की है। पुजारा ने जो तस्वीर साझा की है उसमें उनकी पत्नी पूजा उनके बाल काट रहीं है। वहीं पुजारा भी इस दौरान मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए पुजारा ने लिखा, 'जब आप 99 पर बल्लेबाजी कर रहे हो तब एक तेज रन के लिए अपने साथी बल्लेबाज पर भरोसा करना या फिर आपके बाल काट रही पत्नी पर भरोसा करना, कौन सा ज्यादा साहसिक है बतायें।' पुजारा ने इसके साथ जोर से हंसता हुआ और आंख मारने वाला इमोजी भी बनाया है।

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण देश भर में लगे लॉकडाउन से सभी सैलून बंद हैं। ऐसे में लोग अब स्वयं या फिर अपने साथी से अपने बाल कटा रहे हैं। इससे पहले विराट कोहली, आजिंक्य रहाणे और कई अन्य खिलाड़ियों की भी ऐसी ही तस्वीरें सामने आयीं थी जिसमें उनकी पत्नी उनके बाल काटते हुए नजर आयी थीं।

ईडन गार्डन्स में अभ्यास करने बीसीसीआई के निदेर्शों का इंतजार कर रहे : सीएबी

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने कहा है कि ईडन गार्डन स्टेडियम में अभ्यास शुरू करने के लिए वह बीसीसीआई के निदेर्शों का इंतजार कर रहा है। वहीं इससे पहले केंद्र सरकार ने खेल परिसरों को खोलने को लेकर जरुरी दिशानिर्देश जारी कर दिये थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा था कि लॉकडाउन के चौथे चरण में देशभर के स्टेडियमों और खेल परिसरों को खिलाड़ियों के अभ्यास और मुकाबलों के लिए खोल जा सकता है हालांकि इस दौरान दर्शकों के आने पर रोक रहेगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों को सामाजिक दूरी बनाये रखने के साथ ही अन्य सभी सभी सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। सीएबी ने वीडियो क्रॉन्फ्रेंस के बाद कहा, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के संबंध में बीसीसीआई ने कहा है कि वह राज्य स्तर पर दिशानिर्देशों का अध्ययन करेगा और स्थानीय स्तर पर कौशल आधारित प्रशिक्षण के लिए एक कार्यक्रम तैयार करेगा। इस कार्यक्रम को राज्य क्रिकेट संघों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा। इसपर सीएबी के एक अधिकारी ने कहा, हम कोई भी फैसला लेने से पहले ऐसे दिशा-निर्देशों का इंतजार करेंगे।

जर्मन में खेले गए बंडेसलीगा लीग मैच के पहले मैच में शॉट लगाता एक खिलाड़ी। कोरोना वायरस की महामारी के कारण दो महीने से बंद सभी खेलों के निलंबन के बाद जर्मन बुंडेसलीगा फिर से शुरू होने वाला दुनिया का पहला फुटबॉल का पहला लीग बन गया है।

लेवनडॉस्की ने लगातार 5वें सीजन में 40 गोल दागे, मेसी और रोनाल्डो के बाद ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता ■ एजेंसी

पॉलैंड के स्टार फुटबॉलर रॉबर्ट लेवनडॉस्की ने नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। वे पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी के बाद लगातार 5 सीजन में 40 से ज्यादा गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। रविवार को बुंदेसलिगा में बॉयर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को 2-0 से हरा दिया। म्यूनिख की ओर से मैच में पहला गोल लेवनडॉस्की ने 40वें मिनट में पेनाल्टी से किया। इसी के साथ उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर दिया। म्यूनिख के लिए अगला गोल 80वें मिनट में बेंजामिन पवर्द ने किया था। लेवनडॉस्की अब अपना ही एक सीजन में सबसे ज्यादा 43 गोल का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब हैं। यह उन्होंने 2016-17 में किए थे। लेवनडॉस्की ने हर साल शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन मेसी और रोनाल्डो के आगे वे हमेशा ही अनदेखे किए जाते रहे हैं। पिछले 11 बैलोन डी'ओर अवॉर्ड सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ने ही जीते हैं। हालांकि, पिछले 5 में से 2 सीजन में लेवनडॉस्की ने रोनाल्डो को गोल के मामले में पीछे छोड़ा है। इस जीत के साथ म्यूनिख टीम अंक तालिका में 58 पॉइंट के साथ शीर्ष पर बरकरार है। टीम ने 26 में से 18 मैच जीते, 4 हारे और इतने ही ड्रॉ खेले हैं।

अरुण कुमार ने कहा- लॉकडाउन का सदुपयोग करके खिलाड़ी करियर को 2 से 3 साल बढ़ा सकते हैं

मैच से पहले प्लेयर्स को आठ हफ्ते की ट्रेनिंग जरूरी, क्योंकि खिलाड़ी घोड़े की तरह, उन्हें कैद करके नहीं रख सकते: गेंदबाजी कोच अरुण

- अरुण ने कहा- मोहम्मद शमी लकी हैं, जिनके पास प्रैक्टिस के लिए जगह और सुविधा दोनों है, वे लगातार अभ्यास के वीडियो भेजते हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय गेंदबाजी कोच अरुण कुमार का कहना है कि कोरोनावायरस के बाद मैच में वापसी के लिए प्रोफेशनल खिलाड़ियों को करीब 8 हफ्ते कड़ी मेहनत करनी होगी। इसके बाद ही वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे। अरुण ने कहा कि प्रोफेशनल खिलाड़ी दौड़ने वाले घोड़े की तरह होते हैं। दोनों को कैद करके नहीं रख सकते। घोड़े का काम दौड़ना और खिलाड़ियों का मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करना होता है।

टीम मैनेजमेंट ने ट्रेनिंग प्लान तैयार किया

अरूण ने कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए मैच से पहले भारतीय क्रिकेटरों को 6 से 8 हफ्ते की ट्रेनिंग की जरूरत रहेगी। यही कारण है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ट्रेनिंग के लिए इतने ही समय का प्लान तैयार किया है। इसमें फिजिकल ट्रेनिंग और तकनीकी ट्रेनिंग शामिल हैं। अरुण ने कहा, लॉकडाउन के कारण विश्व के लगभग सभी खिलाड़ी प्रैक्टिस नहीं कर पा रहे हैं। उनके पास करने के लिए कुछ नहीं रहता है। वे थोड़ा-बहुत ही फिटनेस वर्क पर काम कर सकते हैं। ऐसे में जीवन में निराशा आने लगती है, लेकिन इसके अलावा किसी के पास कोई विकल्प भी नहीं है।

कई खिलाड़ियों के पास प्रैक्टिस के लिए जगह नहीं

गेंदबाजी कोच के मुताबिक, कई खिलाड़ी लॉकडाउन में अपने अपार्टमेंट में ही फंसे हुए हैं। जगह की कमी के कारण ठीक से फिजिकल वर्क पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। शमी लकी क्रिकेटर हैं, जिनके पास प्रैक्टिस के लिए जगह और सुविधा दोनों है। वे लॉकडाउन से पहले अपने गांव चले गए थे। जहां फार्म हाउस के खाली मैदान में प्रैक्टिस करते हैं। साथ ही स्विमिंग भी करते हैं।

शमी प्रैक्टिस के वीडियो भेजते हैं

अरुण ने कहा कि शमी उनके पास इन सबकी वीडियो भेजते हैं। उन्होंने शमी से हमेशा यही कहा है कि आप इसी तरह प्रैक्टिस करते रहो। आपका करियर 2-3 साल बढ़ जाएगा। अरुण ने कहा कि लॉकडाउन का सदुपयोग करके खिलाड़ी अपने करियर को 2 से 3 साल लंबा कर सकते हैं।

रघु के कारण भारतीय बल्लेबाजी में काफी सुधार आया अब तेज गेंदबाजों के सामने डर नहीं लगता: कोहली

भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया के बल्लेबाज आसानी से तेज गेंदबाजों का सामना कर पा रहे हैं। 2013 के बाद से लगातार बल्लेबाजी में सुधार हुआ है। कोहली इसका श्रेय टीम इंडिया के साथ जुड़े स्पोर्टिंग स्टाफ थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु (राघवेंद्र) को दिया है। कोहली ने बांग्लादेशी बल्लेबाज तमीम इकबाल से इंस्टाग्राम लाइव चैट पर कहा कि रघु अपने थ्रोडाउन से 150-155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकते हैं। थ्रोडाउन एक प्रकार का चम्मच की तरह क्रिकेट उपकरण होता है। इससे गेंद को पकड़कर तेज गति से फेंका जा सकता है। बल्लेबाजी की प्रैक्टिस के दौरान इस्तेमाल किया जाता है। कोहली ने कहा, रघु को बल्ले की मूवमेंट और फुटवर्क की काफी अच्छी समझ है। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज को कहां बॉल डालनी है। ऐसे में प्रैक्टिस के बाद बल्लेबाज मैच में भी तेज गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बटोर लेता है। भारतीय कप्तान ने कहा, रघु के कारण ही मुझे लक्ष्य का पीछा करते समय खुद पर कोई शक नहीं होता है। रघु की गेंदबाजी से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। इसके कारण बड़े से बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भी फास्ट बॉलरों का दबाव महसूस नहीं होता है।

धीरे-धीरे कई बदलाव किए पता भी नहीं चला

विराट ने कहा, 2011 में होबार्ट में हमें क्वालिफाई करने के लिए 40 ओवर में 340 रन चाहिए थे। ब्रेक में मैंने सुरेश रैना को बताया कि इस मैच को 20-20 ओवर में बांटकर खेलेंगे। पहले 20 ओवर खेलते हैं और देखते हैं कि क्या होता है। फिर दूसरा टी-20 खेलेंगे। मैंने ऐसा बदलाव किया, क्योंकि मैं ग्राउंड के चारों तरफ शॉट खेलना चाहता था। हमारा प्रयोग सफल हुआ। मैं जरूरत के अनुसार अपने में बदलाव करता गया, धीरे-धीरे बदलाव से पता भी नहीं चला। मैं मैच के परिस्थितियों में कोई नया चीज नहीं सीखता हूं।

ओल्ड ट्रैफर्ड पर टेस्ट की मेजबानी चाहती है लंकाशर

लंदन। इंग्लिश काउंटी टीम लंकाशर ने अब गर्मियों के सत्र के दौरान टेस्ट की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है। लंकाशर ने साथ ही कोविड-19 संकट के दौरान अन्य काउंटी टीमों की तरह खिलाड़ियों के अनुबंध भी रद्द नहीं किए। काउंटी ने चार करोड़ 10 लाख डॉलर की कमाई की थी जो उसकी अब तक की सबसे अधिक कमाई है। काउंटी के सीईओ डेनियल गिडने ने कहा, यह रिकॉर्ड कमाई है। यह क्लब के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। गिडने ने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर हिल्टन होटल होने से वह इस साल टेस्ट की मेजबानी करने की हालत में हैं। वहीं इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि वे जून में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट की श्रृंखला को जुलाई में आयोजित करके अपने सत्र को शुरू कर पाएंगे जो कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित हुआ है इसके बाद आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के भी इंग्लैंड का दौरा करने का कार्यक्रम है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ओल्ड ट्रैफर्ड को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट की मेजबानी करनी थी जो सात अगस्त से शुरू होना था।

भारतीय टीम की मेजबानी को श्रीलंका तैयार, जुलाई में खेली जाएगी तीन वनडे, तीन टी-20 की सीरीज

- कोरोना का असर विश्व के अन्य देशों के मुकाबले श्रीलंका में काफी कम, यहां 500 से भी कम मामले आए
- श्रीलंका क्रिकेट के मुताबिक, भारत दौरे बाद बांग्लादेश के खिलाफ 3 टेस्ट की घरेलू सीरीज भी खेलना है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस के बीच श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एससीएल) ने कहा है कि वह जुलाई में भारतीय टीम की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। उसने बीसीसीआई से निर्धारित 3 वनडे और 3 टी-20 सीरीज खेलने पर फिर से विचार करने के लिए अनुरोध किया है। हाल ही में बीसीसीआई ने श्रीलंका दौरे पर जाने से इनकार कर दिया था। इस सीरीज पर अब भी सस्पेंस बरकरार है। क्रिकेट वेबसाइट ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, श्रीलंका जुलाई में भारत और बांग्लादेश दोनों की मेजबानी को लेकर तैयार है। एससीएल के सीईओ एश्ले डि सिल्वा ने कहा कि हमारी ओर से बीसीसीआई और बांग्लादेश दोनों को ईमेल भेज दिया है। जुलाई में भारत दौरे के बाद बांग्लादेश से 3 टेस्ट की सीरीज होनी है। सिल्वा ने कहा कि वे जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

यात्रा प्रतिबंध के कारण सीरीज होना मुश्किल

बांग्लादेश क्रिकेट के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा कि वे हवाई यात्रा प्रतिबंध को देख रहे हैं। दोनों देशों को क्वारैंटाइन प्रोटोकोल का भी पालन करना होगा। सभी पहलुओं को देखने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। वे श्रीलंकाई अधिकारियों के संपर्क में हैं। एजेंसी के मुताबिक बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी कहा है कि जुलाई में श्रीलंका दौरा फिलहाल होना संभव नहीं दिख रहा है, क्योंकि इंडिया में हवाई यात्रा पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

श्रीलंका में कहर कम

कोरोना का असर विश्व के अन्य देशों के मुकाबले श्रीलंका में काफी कम है। यहां 500 से भी कम मामले आए हैं। हालांकि श्रीलंका में भी हवाई यात्रा पर शुरू से ही प्रतिबंध लगा हुआ है। वहीं भारत और बांग्लादेश में भी कोरोना के कारण हवाई सेवा बाधित है। ऐसे में दोनों क्रिकेट बोर्डों को अपनी सरकार से इसके लिए परमीशन लेना होगा।

डिजिटल मीटिंग्स ● बदलती हुई परिस्थितियों से निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी, पहले कर्मचारियों की सुरक्षा पर जोर दिया जाता था

कोविड-19 के बीच तेजी से निर्णय लेने के लिए कंपनियों की ऑनलाइन बोर्ड मीटिंग में उछाल, समय की होती है बचत

मुंबई ■ एजेंसी

कोविड-19 के दौरान ऑफिस भले ही बंद हों, पर इस बीच कंपनियों में अनौपचारिक बोर्ड और कमिटी मीटिंग्स की संख्या बढ़ गई है। कंपनियां अब निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी ला रही हैं। लगातार बदलती हुई परिस्थितियों में कंपनियों को अब तत्काल निर्णय लेने की जरूरत हो रही है।

आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका कहते हैं कि अनौपचारिक मीटिंग भी काफी असरकारक साबित होती है। उनके मुताबिक, हम लोगों ने परिस्थितियों पर विचार करने के लिए कई इनफॉर्मल मीटिंग की है। हमारी

मैनेजमेंट टीम हर दिन मिलती है। बोर्ड को ब्रीफ करती रहती है, ताकि उनकी सलाह तुरंत ली जा सके। इस इनफॉर्मल मीटिंग के कारण मैनेजमेंट टीम तेजी से योजनाओं को लागू कर सकती है। टीवीएस मोटर्स के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन कहते हैं कि बजट को मंजूरी, वरिष्ठ मैनेजमेंट का चुनाव, नए प्रोडक्ट के प्लांट को रिस्टार्ट करने जैसे निर्णयों को अनौपचारिक वीडियो कॉल के जरिए लिया जाता है। इसकी वजह से समय बच जाता है। हम अब तेजी से निर्णय ले रहे हैं। हर एक व्यक्ति इस समय अपने घर में बंद हैं। इससे अनौपचारिक मीटिंग में आसानी से सब लोग शामिल हो जा रहे हैं। टाटा संस ने पिछले महीने फंडिंग प्लान पर विचार करने के लिए तत्काल मीटिंग का आयोजन किया था। इसमें कंपनी के सभी डाइरेक्टर शामिल थे। विदेश वाले भी डाइरेक्टर्स को इसमें शामिल किया गया था।

अब मीटिंग्स में सदस्य गैरहाजिर नहीं होते हैं

एक अग्रणी एक्जिक्युटिव ने कहा कि अब तक जितनी बैठकें होती थीं, उसमें एक दो सीनियर डाइरेक्टर गैर हाजिर हो जाते थे। लेकिन इस समय हर मीटिंग में बोर्ड के तमाम सदस्य उपस्थित रहते हैं। कारण कि इस समय गंभीर परिस्थितियों को वे समझ रहे हैं और तेजी से निर्णय लेने में मदद कर रहे हैं। इस समय जिन मीटिंग्स की जरूरत नहीं है, वे कैंसल की जा रही हैं।

इससे पहले जेंडर इंडिया के एक सर्वे में भी इसी तरह की जानकारी सामने आई है। बिजनेस को किस तरह से चलाया जाए, पोर्टफोलियो और बिजनेस की क्वालिटी, इंडस्ट्रीज का स्टेटस, सरकारी घोषणाओं के असर आदि की चर्चा करने के लिए तमाम सेक्टर की बोर्ड मीटिंग बढ़ गई है। सर्वे के मुताबिक शुरूआती चरण में कर्मचारियों की तंदुरुस्ती और सुरक्षा पर ज्यादा जोर दिया गया था। लेकिन अब बिजनेस के प्रदर्शन को सुधार कर आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजुमदार शॉ ने बताया कि आज अगर किसी बात पर चर्चा करनी होती है तो हम एक मिनट के अंदर तैयार हो जाते हैं। तमाम अप्रूवल या बोर्ड के सर्कूलर की जरूरत नहीं होती है। किसी भी फैसले को तेजी से मंजूरी मिल जाती है।

डिजिटल कृषि-लेनदेन को बढ़ावा देने एग्री बाजार पर रजिस्ट्रेशन फी से मुक्ति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की प्रमुख ऑनलाइन एग्री-ट्रेडिंग कंपनी एग्रीबाजार ने कोविड-19 लॉकडाउन अवधि में अपने प्लेटफॉर्म पर किसानों के लिए रजिस्ट्रेशन फी की छूट की घोषणा की है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है। इसके जरिये यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी कृषि उपज बर्बाद न हो और एग्री-सप्लाई चेन की दिक्कतों को कम किया जा सके। ताकि किसान और खरीदार अपने घरों पर सुरक्षित रह कर शारीरिक दूरी रखते हुए व्यापार कर सके। 2016 में स्थापना के बाद सेऐपने 14,000 करोड़ रुपए की जीएमवी हासिल की है। इस पेशकश को किसान समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। छोटे खेत-मालिक, जो लॉकडाउन प्रतिबंधों की वजह से, पास की मंडी बंद होने और लॉजिस्टिक चुनौतियों के कारण उपज बेचने में असमर्थ थे, उन्हें सबसे अधिक फायदा हुआ है। एग्रीबाजार www.agribazaar.com ऐप के डाउनलोड और अपने टोल-फ्री ऑल इंडिया नंबर +91 9090397777 पर टेली-रजिस्ट्रेशन, दोनों के माध्यम से 400% अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। अप्रैल 2020 के दौरान एग्रीबाजार ऐप ने लद्दाख, सिक्किम और लक्षद्वीप जैसे दूरदराज के स्थानों पर 8,000 से अधिक टूकों में फल, सब्जियां, दालें, तिलहन और अनाज जैसे कृषि-उत्पादों के परिवहन की सुविधा प्रदान की। बारामती के अंगूर किसानों और कश्मीर में सेब उगाने वाले किसानों से लेकर मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा और अन्य राज्यों के किसानों की ओर से लॉकडाउन के दौरान प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है।

बाजार में एक साईड की दुकानें एक दिन और दूसरी साईड की दुकानें दूसरे दिन खोली जाएं

क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय,संक्रमण की रोकथाम के लिये सभी का सहयोग अपेक्षित

ग्वालियर कोविड-19 के तहत लॉकडाउन-4 में शासन द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय बाजारों को खोलने के संबंध में लिए गए हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ व्यवसायिक गतिविधियों को भी प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। व्यवसायिक गतिविधियों के साथ वायरस की रोकथाम एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का हम सबको मिलकर मुकाबला करना होगा। हमारे जिले में व्यवसायिक गतिविधियां भी संचालित हों और बीमारी पर भी रोक लग सके, इस दिशा में सभी जनप्रतिनिधियों का सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु गठित क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शासन द्वारा जारी आदेश एवं व्यवसायिक गतिविधियों को प्रारंभ करने के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में जनप्रतिनिधियों के सुझाव जाने।

बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, विधायक श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, श्री मदन कुशवाह, श्री रामबरन सिंह गुर्जर, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष श्री देवेन्द्र शर्मा, बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री दिनेश मौर्य, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री शांतिशरण गौतम, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री किशोर कन्याल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि व्यवसायिक गतिविधियों को सावधानीपूर्वक प्रारंभ किया जाए। सभी बाजारों में एक तरफ की पट्टी की दुकानें एक दिन एवं दूसरी पट्टी की दुकानें दूसरे दिन खोली जाएं। इससे व्यवसाय भी प्रारंभ होगा और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी किया जा सकेगा। सभी दुकानदार अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सभी दुकानों के सामने दुकानदार स्वयं ऑइल पेन्ट से गोले बनाएं, ताकि दुकान पर आने वाले ग्राहक निर्धारित दूरी का पालन करते हुए अपना सामान क्रय कर सकें। सभी दुकानदार अपनी दुकान पर काम करने वाले सभी लोगों को मास्क लगाकर कार्य करने की भी व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध भी कार्रवाई की जाए। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम में सभी का सहयोग अपेक्षित है। व्यवसाय करने वाले सभी व्यापारी भी इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों ने गऊ सेवकों का किया सम्मान

हेमंत आर्य रिपोर्टर

ग्वालियर- इस समय जहाँ पर कोरोना वायरस के चलते जहाँ पूरे शहर के लोग अपने घरों में अपनी सुरक्षा के लिये अन्दर हो गये जिसकी बजय से रोड पर घूम रही बेसहारा गायो को जीवन यापन करने के लिये एक मुशीबत बन गई चूंकि लॉक डाउन में व्यक्ति का आवागमन प्रतिबंद हो गया और गायो के लिये भोजन की समस्या पैदा हो गई अब ऐसी स्तिथि में गायो को भोजन की व्यवस्था कैसे हो और किसके माध्यम से हो इन सभी समस्याओं को देखते हुये गऊ सेवको ने इसके लिये प्रयास किया जिसमें लाल टिपारा गौशाला के महाराज द्वारा इसकी शुरूबात की गई और इसमे गऊ सेवको में से धर्मेन्द्र तोमर, शेखर तोमर, निमीश पराशर, अनिल अघिनिहोत्री, धीरू तोमर, आकाश, हरीश, प्रशांत, गौरव, दीपक, एवम अन्य गऊ सेवको द्वारा गऊ सेवा के लिये संकल्प लिया कि जब तब लॉक डाउन रहेगा गऊ माता को गली गली हरे चारे की व्यवस्था की जायेगी और गऊ सेवा कार्य को शुरू किया गया जिसमें गली गली गऊ माता को चारा डाला गया जिसमें सहयोग के रूप में कई दानदाता भी सामने आये जिनकी बजय से सेवा कार्य निरंतर जारी रहा ।

इस लॉक डाउन में इस तरह की सेवा करना बहुत पुण्य का काम सामाजिक दृष्टि से देखा जाये इसी बात को ध्यान रखते हुये युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों ने इन सभी गऊ सेवको को माला पहनाकर सेनेटाइजर, मास्क, टोपी पहनाकर उनको धन्यबाद दिया और ताली बजाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया जिसमें सम्मान कार्य के समय युवा जनकल्याण सेवा समिति के कई सदस्य मौजूद रहे जिनमे से ढपली चौहान, शिवम भदौरिया, कृपानिधान भदौरिया, अजेंद्र भदौरिया, यशपाल परमार, रणविजय परमार, मोहित चौहान, मोनू राजपूत, रामसिंह सिकरवार, जय करण भदौरिया, मकरध्वज सिंह भदौरिया आदि लोग उपस्तिथ रहे।

डॉ. सिकरवार ने दाल बाजार को किया सेनेटाईज

ग्वालियर। वरिश्ठ भाजपा नेता एवं जन उत्थान न्यास अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज सुबह सम्पूर्ण दाल बाजार क्षेत्र को स्वंय सेनेटाईज किया। डॉ. सिकरवार ने दाल बाजार में मौजूद व्यापारियों को कोरोना से बचाव के बारे में बताया और कहा कि हम सबको मिलकर कोरोना को हराना है और हम हराकर रहेगें। दाल बाजार व्यापार समिति ने डॉ. सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर सम्मान किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर डॉ. सिकरवार के साथ दाल बाजार व्यापार समिति के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र साहू, सचिव मनीश बादिंल, अषोक गोयल, सिंध व्यापार मंडल के अध्यक्ष दिलीप पंजवानी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रमोद जैन, उदयराज गोयल, दिलीप गोयल, राजीव गुप्ता, ष्याम बंसल, राधा रमण बादिंल, चन्द्रकुमार जैन, दीपक अग्रवाल, क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 12 डब्लू.एच.ओ. जगदीष चितोडिया, हिमांषु कीकन आदि मौजूद रहे।

रेरा प्राधिकरण में अब वीडियो कान्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई

ग्वालियर। मध्यप्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा कोरोना महामारी के मद्देनजरआर्वीटितियों की शिकायतों की सुनवाई आगामी जून माह से वीडियो कान्फ्रेंसिंग तथा ऑनलाईन पद्धति से शुरू की जा रही है। इसके लिये इंदौर, ग्वालियर तथा जबलपुर संभाग के प्रकरणों की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से सुनवाई के दिन तय कर दिये गये हैं। साथ ही भोपाल से जुड़े लंबित प्रकरणों की सुनवाई प्राधिकरण के कार्यालय में पूरे सप्ताह पूर्वाह्न में सोशल डिस्टेंसिंग को अपनाकर की जायेगी।

इंदौर, ग्वालियर तथा जबलपुर संभाग की सुनवाई के दिनप्राधिकरण में प्रति सप्ताह अपरान्ह में गुरूवार तथा शुक्रवार को इन्दौर संभाग के प्रकरणों की सुनवाई होगी। प्रति बुधवार ग्वालियर तथा जबलपुर संभागों के प्रकरणों की बारी-बारी से सुनवाई की जायेगी। सुनवाई में पक्षकार अपने आवास से मोबाईल या लैपटॉप के माध्यम से शामिल हो सकते हैं। इंदौर के पक्षकार विकल्प के तौर पर रेरा के इन्दौर स्थित स्थानीय कार्यालय में उपलब्ध कम्प्यूटर की सुविधा का भी लाभ ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण में अभी तक 2612 प्रोजेक्ट्स तथा 677 एजेंट का पंजीयन हो चुका है। लॉकडाउन अवधि मे प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों का परीक्षण जारी है। अभी तक प्राप्त लगभग 4300 शिकायतों में से 3200 का निराकरण किया जा चुका है। रेरा प्राधिकरण प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर को नियंत्रित और प्रोत्साहित करने के लिये रेरा-एक्ट के तहत गठित संवैधानिक संस्था है, जहाँ पर एक ओर आर्वीटितियों की आवास से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जाता है, वहीं प्रदेश में प्रचलित एवं नवीन आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं का पंजीयन और निगरानी भी की जाती है।

गुम युवक बन गया शातिर लूटेरा

सुरजीत राजावत ब्यूरो

ग्वालियर / पुलिस थाना जिला हजीरा में दिनांक 31 /10/ 15 को फरियादी दीपक बाथम पुत्र शिव बहादुर बाथम उम्र 21 वर्ष निवासी भारत फौजी का मकान लूट पुरा ग्वालियर ने रिपोर्ट की कि उसका भाई छोटा भाई राहुल बाथम 28/10/15 को दिन 14-30 बजे घर से बिना बताए कहीं चला गया ।थाना हजीरा में गुमशुदगी क्रमांक 58/ 15 लेखकर जांच की गई जिसकी जांच अभी तक प्रधान आरक्षक हरी सिंह ,सहायक उपनिरीक्षक बीरेंद्र छारी एस आई अंकित मुकाती ने की किन्तु गुमशुदा राहुल बाथम का कोई पता नहीं चला इसकी जांच एस आई अंकित मुकाती के स्थानान्तर होने पर प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान को मिली जिन्होने थाना हुजरात कोतवाली में पदस्थ रहने के दौरान राहुल बाथम को हुजरात कोतवाली के

अपराध क्रमांक 64/15 धारा 379,427इजाफा39211/13 में दिनांक 27/3/17 को गिरफ्तार किया था उक्त घटना में राहुल बाथम ने अपने साथी राजा आदिवासी निवासी कुम्हरपुरा के साथ मोटर सायकिल हीरो हौंडा करिजमा नम्बर075931 से आकर चिटनीस की गोठ में दिनांक 26/3 /17 की शाम फरियादी शुभम गौतम निवासी कैलाश टाकीज के पास का मोबाइल फोन माइक्रोमैक्स केनवास लूट लिया था।राहुल बाथम को गिरफ्तार कर मोबाइल फोन बरामद कर मोटर सायकिल जब्त किया था व बाद में आरोपी राजा आदिवासी को भी गिरफ्तार किया व दोनों को जेल भेजा गया था ।प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने राहुल बाथम को माधव गंज बाजार के दुकानदारों की सूचना व सहयोग से गिरफ्तार किया था। लूट में प्रयुक्त मोटर सायकिल राहुल बाथम के भाई राज बाथम की थी ।राहुल बाथम पर थाना विश्वविध्यालय में भी मोबाइल फोन लूट का प्रकरण दर्ज है ।राहुल बाथम लूटपुरा , लोको,कुम्हपुरा ,डी डी नगर ग्वालियर, भोपाल व जयपुर के पते पर अभी तक रह चुका है अब इसकी थाना हुजरात कोतवाली ग्वालियर पुलिस को मोबाइल लूट के प्रकरण में स्थाई गिरफ्तारी वारंट में तलाश जारी है ।राहुल बाथम के गुमने के बाद उसके परिवारजन ने घर वापस आने की सूचना जानबूझकर पुलिस को नहीं दी है।

महावीर नगर वार्ड 11 गरीब परिवार बारों को नहीं मिल रही कोई शासकीय मदद

अनिल पाराशर

भिंड। महावीर नगर वार्ड 11 के कुछ गरीब परिवार भूखे मरने को मजबूर हैं कुछ नगरपालिका के कर्मचारियों उनको अनदेखा कर रहे हैं सर्वे में भी इनको वंचित रखा गया है इनके पास ना बीपीएल कार्ड है ना ही कोई मजदूरी कार्ड भी नहीं है जिससे इनको कंट्रोल से भी राशन मिले 20/5/2020 को नगर पालिका के पीछे खाना के पैकेट लेने के लिए महिला पुरुष बच्चे सहित आए हुए थे भूखे थे तड़प रहे थे बच्चे महिलाओं में उषा बघेल सुनीता गुर्जर अफसाना नूरजहां रूबी उर्मिला शाक्य नीतू तो वार्ड नंबर 38 आई हुई थी केतिका शाक्य इन लोगों का क्या कहना है कि वार्ड के पार्षद द्वारा हम लोगों को बार-बार छोड़ दिया जाता है ना सर्वे कराया ना हम तक कोई राशन आया नगर पालिका के कर्मचारी भी बोलते हैं कलेक्टर के पास चली जाओ शासन प्रशासन नगर पालिका के सीएमओ से यह लोग मांग करते हैं कि हम लोगों को नगर पालिका से खाना के पैकेट उपलब्ध कराएं जिससे हम अपने बच्चों का पेट भर सके।

अम्बाह एसडीओपी अबनीश बंसल व टीआई शिबसिह यादव रोजाना पैदल कर रहै फ्लैग मार्च ,लोगो को दी समझाइश...

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। इलाके में कोरोना के मरीज सामने आने के बाद शहर में पुलिस और प्रशासन ने अपनी सक्रियता और बढ़ाई हैं इस दौरान सड़क पर आते जाते लोगो से पुलिस पूछताछ कर व संतुष्ट होने पर ही आने जाने दे रही है खासतौर पर शहर में जगह-जगह जांच कर रहे पुलिस कर्मी गुजरने वालों से मास्क या गमछा लगाकर निकलने की बात कह रहे हैं, ज्ञात रहे कि मास्क या तौलिया को इस महामारी के खिलाफ जंग में काफी अहम माना जा रहा है, बुधवार को प्रशासनिक अमला सुबह ही बाजार में आ गया इस दौरान बाजार में बेवजह निकल रहे लोगों को घर जाने की हिदायत भी दी , अम्बाह एसडीओपी अबनीश बंसल व थाना प्रभारी शिव सिंह यादव ने लोगों को चेतावनी दी अगर जरूरी काम से सड़क पर निकल रहे हो तो चेहरे पर मास्क होना चाहिए अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी ,इस दौरान कई लोग बिना मास्क लगाए सड़क पर निकल आए तब पुलिस ने इन लोगों को रोककर इनकी शर्ट या बनियान उतरवाकर चेहरे पर बांधने को कहा और भविष्य में मास्क लगाकर ही बाजार आने की चेतावनी दी इसी दौरान बेवजह घूम रहे लोगों को दंडित भी किया टी आई शिव सिंह यादव ने लोगों से अपील की सरकारी फैसले जनता के हित में लिए गए हैं अंचल के लोग खुद ही सतर्कता बरतते हुए मास्क का इस्तेमाल करें इसके साथ साथ सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचें अन्यथा नियम अनुसार कड़ी 1000 हजार रूपये से दण्डित कर कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी तो सीएम होंगे अजय सिंह

राजनीति के चाणक्य दिग्विजय सिंह के निशाने पर अब कमलनाथ

केशब पडित जी अम्बाह

भोपाल/मुरैना... मध्यप्रदेश कांग्रेस में जैसे-जैसे दिग्गज नेताओं की संख्या कम होती गई वैसे-वैसे गुटबाजी भी कम होती चली गई। सत्तर के दशक में श्यामाचरण शुक्ल बंधुओ, फिर अस्सी के दशक में अर्जुन सिंह और उसके बाद दिग्विजय सिंह इन सभी नेताओं का सम्पूर्ण प्रदेश में वर्चस्व रहता था। कमलनाथ व सिंधिया परिवार का वर्चस्व प्रदेश के कुछ हिस्सों तक ही सीमित रहा है। इसलिए इनके समर्थकों की संख्या भी कम होने के कारण ये कभी भी विधायक दल के नेता नहीं चुने गये। गत विधानसभा चुनावों में भी यही हाल रहा कांग्रेस में दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, सिंधिया तीनो ने मिलकर चुनाव में प्रचार किया। प्रदेश की जनता ने सिंधिया को भावी सीएम मानकर कांग्रेस को वोट दिया था। जब सीएम चुनने की बारी आती हैं तो विधायक की संख्या का गणित दिग्विजय सिंह के पाले में रहता है। दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ को सीएम बनवा दिया। अब चूंकि प्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय सिंह बचे हुए हैं तो अब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बहुमत में आती हैं तो विधायक दल की बैठक में संख्या का गणित कमलनाथ के बजाय दिग्विजय सिंह अजय सिंह को नेता चुनेंगे। दिग्विजय सिंह राजनीति के चाणक्य व केंद्र बिंदु हैं। गत विधानसभा चुनाव में सिंधिया का चेहरा आगे कर चुनाव लड़ा गया था और सिंधिया ने जमकर मेहनत की ओर सीएम कमलनाथ बने थे। और अब उपचुनाव में मेहनत कमलनाथ की रहेगी और सीएम अजय सिंह बनेंगे। पूरे मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह व अजय सिंह के समर्थको की संख्या ज्यादा रहेगी और कमलनाथ के पास विधायको की संख्या कम रहने के कारण दिग्विजय सिंह की पहली पसंद अजय सिंह होंगे।

दिग्विजय सिंह के सेनापतियों ने घेरा कमलनाथ को प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने उप चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक ऑफिशियल मीटिंग आयोजित की। जिसमें उपचुनाव के लिए संभावित नामो पर विचार विमर्श किया गया। कमलनाथ चाहते हैं कि कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को उपचुनाव में उतारा जाय और उपचुनाव में जीत दर्ज की जाय। किन्तु दिग्विजय सिंह के सेनापतियो ने विरोध प्रकट किया और दिग्विजय सिंह के समर्थकों को ही उम्मीदवार बनाने पर जोर दिया जाएगा जिससे दिग्विजय सिंह मजबूत रहेंगे और कमलनाथ कमजोर पड़ जायेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी नामों का पैनल बनाकर दिल्ली भेजती है और टिकट फाइनल दिल्ली से ही होंते हैं। कांग्रेस हाईकमान भी प्रदेश के नेताओं की पसंद के उम्मीदवार के नाम पर ही मोहर लगाती हैं। किन्तु इस मीटिंग में दिग्विजय सिंह के प्रमुख सेनापति अजय सिंह राहुल ने दलबदलू को टिकट न देने का मुद्दा उठाया। दूसरे सेनापति डॉक्टर गोविंद सिंह ने इसका समर्थन किया। कुल मिलाकर दिग्विजय सिंह के सैनापतियों ने कमलनाथ को घेर लिया है। कमलनाथ असहाय, बेबस नजर आयेंगे। दिग्विजय सिंह ही प्रदेश में मजबूत है और अपने खास लोगों को आगे बढ़ाएंगे।

तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाबजूद नियमित नहीं हुई नर्स

कोरोना संक्रमण के चलते कोरोना वैरियर्स में सबसे आगे खड़े होकर अपना काम कर रही स्टाफ नर्स तीन साल का कार्यकाल करने के बाबजूद नियमित नही हो पा रही है ! जिससे स्टाफ नर्स में भारी रोष है ! गौरतलब है कि लॉकडाउन के चलते प्रदेश सरकार ने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके सभी विभागों के कर्मचारियों को तो नियमित कर दिया परन्तु कोरोना संक्रमण से लड़ने में फ्रंट लाइन में खड़ी स्टाफ नर्स अभी भी नियमित होने की आस देख रही है ! प्रदेश में इस समय लगभग 545 स्टाफ नर्से आईजीएमसी शिमला सहित प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज और विभिन्न अस्पतालों में अपनी सेवाए दे रही है जिनकी नियुक्ति प्रदेश सरकार ने दिसंबर 2016 व जनवरी 2017 में की है और मार्च 2020 में इन सब स्टाफ नर्सो का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका है ! परन्तु अपने घरो से दूर कोरोना संक्रमण से फर्स्ट रो में खड़ी होकर कोरोना वैरियर्स यह स्टाफ नर्स कोरोना संक्रमण से ग्रसित लोगो का उपचार कर रही ! परन्तु इन स्टाफ नर्स को प्रदेश

सरकार से जल्द नियमित करने की कि मांग, अभिषेक मिश्रा बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

सरकार ने अभी तक नियमित नही किया है जिस बात को लेकर इन कोरोना वैरियर्स में भारी रोष है ! कोरोना वैरियर्स इन स्टाफ नर्सो का कहना है कि प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में तैनात फार्मासिस्ट , शिक्षण संस्थान व अन्य विभाग में सेवाए दे रहे कर्मचारियों को तो तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर नियमित कर दिया परन्तु गंभीर कोरोना बीमारी के बिच में सेवाए दे रही नर्सो को अभी तक नियमित नही किया ! इन नर्सो की भर्ती प्रदेश सरकार ने कमीशन के जरिए दिसम्बर 2016 से जनवरी 2017 में की थी ! इन सभी 545 नर्सो का मार्च माह में तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया है ! जिसके बाद अन्य विभागों के कर्मचारियों की तरह इनके नियमित होने को आदेश जारी हो जाने चाहिए थे परन्तु अभी तक निर्देशालय की तरफ से इस तरह के कोई आदेश नही निकले है ! वहीँ इस संधर्भ में ट्रेंड नर्सज एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की प्रदेशाध्यक्षा हिमाचल ज्योति बालिया ने कहा कि यह मामला उनके ध्यान में है और वह इस मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशक से मुलाकात करके उठाएंगे और जल्द ही तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुकी नर्स को नियमित करने की मांग करेंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478